राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार,24 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –178 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में कोवाक्सिन के मानव परीक्षण की उल्टी गिनती शुरू, 24 जुलाई को एम्स में दी जाएगी 5 लोगों को डोज

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सीन के मानव परीक्षण के लिए चयनित उम्मीदवारों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आगामी शनिवार तक कोरोना वैक्सीन का पहला डोज दे दिया जायेगा। एम्स में कोवैक्सीन के मानव परीक्षण की अगुवाई कर रहे कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. संजय राय ने बताया कि मानव परीक्षण के लिए चयनित उम्मीदवारों की सोमवार को हेल्थ स्क्रीनिंग हुई थी। हेल्थ स्क्रीनिंग की रिपोर्ट आनी शुरु हो गयी है लेकिन अभी पूरी रिपोर्ट नहीं आयी है। पूरी रिपोर्ट आने के बाद शुक्रवार को पहला डोज दिया जा सकता है। अगर रिपोर्ट शुक्रवार तक नहीं आयी तो शनिवार को हर हाल में पहला डोज दिया जायेगा। डॉ राय ने बताया कि शुरुआत में पांच लोगों को कोवैक्सीन का डोज दिया जायेगा। इसके बाद अगले कुछ दिनों में 10 या अधिकतम 15 लोगों के समूह को प्रतिदिन कोवैक्सीन का डोज दिया जायेगा। वैक्सीन देने के बाद सभी 100 व्यक्तियों की नियमित अंतराल पर मेडिकल जांच होती रहेगी। उल्लेखनीय है मानव परीक्षण में शामिल उम्मीदवारों की कई तरह की मेडिकल जांच की गई हैं ताकि यह पता चल सके वे कोरोना संक्रमित नहीं हैं और न ही वे ब्लडप्रेशर, मधुमेह आदि बीमारियों से ग्रसित हैं। पूरी तरह से स्वस्थ व्यक्तियों को ही इस परीक्षण में शामिल किया जायेगा। यह परीक्षण गर्भवती महिलाओं पर नहीं किया जायेगा। दोनों चरण के मानव परीक्षण में कुल 1,125 व्यक्तियों को कोवैक्सीन का डोज दिया जायेगा।

पहले चरण में 375 व्यक्तियों को कोवैक्सीन का डोज दिया जाना है, जिनमें से 100 व्यक्तियों पर परीक्षण अकेले एम्स दिल्ली कर रहा है। दूसरे चरण में एम्स दिल्ली में कितने व्यक्तियों पर परीक्षण होगा , यह अभी तय नहीं किया गया है

लेकिन यह तय है कि दूसरे चरण में भी एम्स में ही सबसे बड़ा नमूना आकार होगा। उल्लेखनीय है कि बायोटेक कंपनी भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन का मानव परीक्षण 15 जुलाई को शुरू कर दिया था।

असंतोष के बीच मजबूत दिखने की शी की लालसा है चीन के आक्रामक व्यवहार का कारणः विशेषज्ञ

नई दिल्ली।

वैश्विक सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख और दक्षिण चीन सागर में चीन के दुस्साहस के पीछे राष्ट्रपति शी चिनफिंग की, आर्थिक नीतियों के खिलाफ असंतोष को थामने, मजबूत दिखने और अंतराष्ट्रीय स्तर पर कद बढ़ाने की लालसा जैसे पहलू हो सकते हैं । विशेषज्ञों ने कहा कि तनाव से अमेरिका, यूरोप और एशिया के विभिन्न हिस्सों में ऐसी आशंका पैदा हुई है कि अपने क्षेत्रीय हितों को लेकर चीन और आक्रामक रूख अख्तियार कर सकता है , जिस पर वैश्विक ताकतों द्वारा गंभीर और एकजुट होकर कदम उठाने की संभावना बन सकती है । शिकागो विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर पॉल स्टेनिलैंड ने कहा, निश्चित तौर पर चीन को आर्थिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा । अभी हमें जिस सवाल का जवाब नहीं मिला है वह ये कि उसे कितनी बड़ी कीमत चुकानी होगी। साथ ही, क्षेत्र में आक्रामक रूख के लिए चीनी नेतृत्व कितना नुकसान झेलने को तैयार हैं । पूर्वी लद्दाख में चीन का कदम उसी प्रकार है जिस तरह उसने एशिया के अन्य हिस्सों, दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में दिखाया है और क्षेत्रों पर दावा जताया है। फिलीपीन के मामले में अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना की गयी। मुख्य रूप से जापान, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन, ब्रूनेई, कंबोडिया और वियतनाम समेत अन्य देशों से उसका विवाद है । मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर विपिन नारंग ने कहा कि पूर्वी लद्दाख और एशिया में अन्यत्र चीन का अपना प्रभाव बढ़ाने और हठधर्मी रवैया दिखाने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं । उन्होंने कहा, अवसरवाद से लेकर भारत के डीएस-डीबीओ (दार्बुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी) रोड जैसी आधारभूत संरचना तैयार करने का कारण हो सकता है, जहां शी चिनफिंग को लगता होगा कि वह कमजोर नहीं दिखें।

100 ट्रेनें बंद कर सकता है रेलवे, टाइम टेबल में भी बड़ा बदलाव संभव- सूत्र

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ट्रेनों की टाइमिंग को लेकर बड़ा सुधार करने जा रहा है। इसके लिए रेलवे 'जीरो बेस्ड' टाइम टेबल तैयार कर रहा है, जो अब जल्द ही सामने आ सकता है। हालांकि कोरोना से उपजे हालात के बाद ही यह लागू होगा और जब तक कोरोना का खौफ बना रहेगा। रेलवे की तरफ से मुसाफिरों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनें ही चलाई जाएंगी। आमतौर पर रेलवे का नया टाइम टेबल जुलाई से अगले साल जून तक लागू होता है फिर मौसम और ट्रेनों की संख्या में हुए बदलाव के साथ नया टाइम टेबल लागू होगा है। लेकिन कई बार हालात के मुताबिक टाइम टेबल लागू होने के पीरियड में बदलाव भी होता है। जैसे इस साल कोरोना की वजह से देखा जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे के नए टाइम टेबल में कई बदलाव किए जा रहे हैं जिससे आने वाले कई साल तक रेलवे में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। दरअसल, पिछले कई दशकों से राजनीतिक मांग पर ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ाए गए हैं। लोगों और नेताओं के विरोध के डर से कई बिना मांग वाली ट्रेनें भी चल रही हैं जिसकी आधी से ज़्यादा सीटें खाली ही रहती हैं। रेलवे ऐसी कई ट्रेनों को बंद कर सकता है जिनकी कोई मांग नहीं है। यानी ट्रेनों की आधी से ज्यादा सीटें खाली ही रहती हैं। इसमें इस बात का खयाल रखा जाएगा कि मुसाफिरों के लिए विकल्प के तौर पर दूसरी ट्रेन उपलब्ध हो। सूत्रों के मुताबिक देशभर में ऐसी 100 से ज्यादा ट्रेनें बंद हो सकती हैं। जिन पैसेंजर ट्रेनों में किसी हॉल्ट स्टेशन पर 50 सवारी चढ़ती- उतरती न हों, उन ट्रेनों का ऐसे हॉल्ट पर स्टॉपेज ख़त्म हो। लेकिन मुसाफिरों के लिए दूसरी ट्रेन उपलब्ध हो, ताकि उन्हें परेशानी न हो। बिना मांग वाली ट्रेनों को रद्द करने और कुछ ट्रेनों के स्टॉपेज कम करने से कई ट्रेनों की स्पीड बढ़ जाएगी और इस तरह से रेलवे की योजना है कि वो कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को सुपरफास्ट ट्रेन का दर्ज़ा दे दे। सुपरफास्ट ट्रेनें वो होती हैं जिसकी औसत रफ़्तार 55 किलोमीटर प्रतिघंटे से ज़्यादा होती है। इससे सुपरफास्ट चार्ज के रूप में रेलवे की कमाई में भी बढ़ोतरी होगी। दरअसल, जीरो बेस्ड टाइम टेबल वो होता है जिसमें टाइम टेबल तैयार करते समय ट्रैक पर कोई ट्रेन नहीं होती है। यानी हर ट्रेन को नई ट्रेन की तरह समय दिया जाता है और एक-एक कर सारी ट्रेनों के चलने का समय तय किया जाता है। इससे हर ट्रेन के चलने और किसी स्टेशन पर स्टॉपेज का सेफ समय दिया जाता है ताकि ना तो वो किसी ट्रेन की वजह से लेट हो और ना वो किसी और ट्रेन को लेट कर सके। कोरोना काल में ट्रेनों पर भी ब्रेक लगा हुआ है और फिलहाल रेलवे केवल 230 ट्रेनें ही चला पा रहा है। ऐसे में उसके पास सुधार के काम का बड़ा मौका है। उम्मीद की जा रही है कि टाइम टेबल में ये सुधार इस साल के अंत तक देखने को मिलेगा लेकिन इसका फायदा आने वाले कई साल उन मुसाफिरों को अनुभव होगा।

संक्षिप्त समाचार

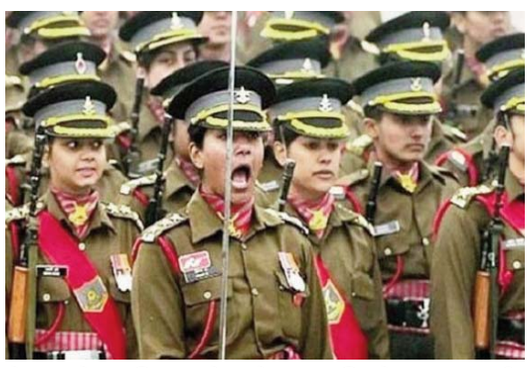

सेना में महिलाओं को अब मिलेगा स्थायी कमीशन, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। इस प्रकार सेना में महिला अधिकारियों को बड़ी भूमिकाओं के निर्वहन के लिए अधिकार संपन्न बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। रक्षा प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने यहां यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने 17 फरवरी को एक याचिका पर सुनवाई के बाद भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन एवं कमांड पोस्ट दिये जाने का आदेश दिया था और सरकार को अमल के लिए तीन माह का वक्त दिया था। इस मामले को फिर उठाये जाने पर सात जुलाई को सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार को एक महीने की मोहलत और दी थी। यह आदेश जज एवं एडवोकेट जनरल (जेएजी) तथा आर्मी एजुकेशनल कोर (एईसी) के वर्तमान वर्गों के अतिरिक्त भारतीय सेना के सभी दस वर्गों अर्थात आर्मी एयर डिफेंस (एएडी), सिग्नल्स, इंजीनियर्स, आर्मी एविएशन, इलेक्ट्रोनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमई), आर्मी सर्विस कोर (एएससी), आर्मी आर्डनेंस कोर (एओसी) और इंटेलीजेंट कोर में शॉर्ट सर्विस कमीशंड (एसएससी) महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन (पीसी) देने को मंजूरी दी गयी है। कर्नल आनंद के अनुसार सेना मुख्यालय ने प्रभावित महिला अधिकारियों के लिए स्थायी कमीशन चयन बोर्ड के गठन एवं संचालन की तैयारी के लिए अनेक कदम उठाये थे। जैसे ही सभी प्रभावित एसएससी महिला अधिकारी अपने विकल्प का उपयोग करेंगी और वांछनीय दस्तावेजों को पूरा करेंगी, चयन बोर्ड अनुसूचित हो जाएगा। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्र की सेवा करने के लिए महिला अधिकारियों सहित सभी कार्मिकों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रीलंका के बंदरगाह कर्मचारियों ने भारत के साथ प्रस्तावित समझौते के खिलाफ किया प्रदर्शन

कोलंबो। श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह के कर्मचारियों ने कंटेनर टर्मिनल विकसित करने के लिए भारत के साथ प्रस्तावित समझौते का फिर से विरोध शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के साथ बैठक बाद तीन जुलाई को विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर सरकार ने किसी दूसरे देश को ईस्टर्न कंटेनर टर्मिनल के विकास की अनुमति दी तो, वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। पिछली सिरिसेना सरकार ने के विकास के प्रयास तेज करने के लिये भारत और जापान के साथ सहयोग समझौते (एमओसी) पर हस्ताक्षर किये थे। यह टर्मिनल चीन द्वारा संचालित 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कोलंबो इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल के पास स्थित है। यह टर्मिनल चीन द्वारा संचालित 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कोलंबो इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल के पास स्थित है। भले ही पिछले साल एमओसी पर हस्ताक्षर कर दिए गए हों, लेकिन टर्मिनल के विकास के लिये एक औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर होने अभी बाकी हैं। ट्रेड यूनियन सरकार पर एमओसी से बाहर निकलने और इसका 100 प्रतिशत विकास श्रीलंकाई कंपनी द्वारा कराने का दबाव बना रही हैं।

राजस्थान की सियासी लड़ाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोकतंत्र में असहमति को नहीं दबाया जा सकता, विधायकों की अर्जी पर फैसला सुनाने से हाईकोर्ट को नहीं रोकेंगे

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सचिन पायलट समेत 19 विधायकों के अयोग्यता नोटिस के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट की सुनवाई को रोकने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट अपना फैसला सुना सकता है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। दरअसल, हाईकोर्ट ने स्पीकर सीपी जोशी को इन विधायकों के खिलाफ 24 जुलाई तक कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा है। जोशी ने इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती है। सुनवाई के दौरान स्पीकर के वकील कपिल सिब्बल ने कहा है कि इस स्टेज पर प्रोटेक्टिव ऑर्डर नहीं दिया जा सकता। हाईकोर्ट ने नोटिस का जवाब देने के लिए समय बढ़ा दिया और कहा कि कोई कार्रवाई नहीं की जाए, यह प्रोटेक्टिव ऑर्डर है। सिब्बल ने कहा, कोर्ट तब तक कोई दखल नहीं दे सकता, जब तक कि विधायकों को अयोग्य नहीं ठहरा दिया जाए। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का रेफरेंस देते हुए कहा कि हाईकोर्ट स्पीकर को ये आदेश नहीं दे सकता है कि विधायकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करें। स्पीकर अगर विधायकों को अयोग्य ठहराने का प्रोसेस शुरू करें तो कोर्ट दखल नहीं दे सकता। जस्टिस अरुण मिश्र समेत तीन जजों की बेंच ने सुनवाई की। जजः किस आधार पर विधायकों को अयोग्य ठहराना चाहते है? कपिल सिब्बलः वे विधायक दल की मीटिंग में नहीं आए, पार्टी विरोधी कामों में शामिल हैं। जस्टिस अरुण मिश्रः यह सामान्य मामला नहीं है। ये विधायक चुने हुए प्रतिनिधि हैं। क्या जनता के चुने हुए नेता को विरोध जताने का हक नहीं है। लोकतंत्र में असहमति को दबाया नहीं जा सकता है। जजः हाईकोर्ट ने आपसे सिर्फ 24 जुलाई तक इंतजार करने को कहा है। कपिल सिब्बलः कोर्ट के आदेश से डायरेक्शन शब्द हटाया जाए। जजः तो क्या परेशानी सिर्फ एक शब्द से है? आदेश में तो हर जगह रिक्वेस्ट लिखा है। जजः ये पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही का प्रोसेस शुरू करना सही था या नहीं? कपिल सिब्बलः इस स्टेज पर यह मुद्दा नहीं उठाया जा सकता। जजः इस मामले को विस्तार से सुनने की जरूरत है। कपिल सिब्बलः राजस्थान हाईकोर्ट की सुनवाई को रोका जाए।

इसके बाद कोर्ट ने पायलट खेमे के वकील हरीश साल्वे और मुकुल रोहतगी का जवाब जानना चाहा। जजः राजस्थान हाईकोर्ट अपना ऑर्डर पास कर सकता है। जोशी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि संविधान और सुप्रीम कोर्ट ने जिम्मेदारियां तय की हैं। स्पीकर होने के नाते मैंने कांग्रेस के 19 विधायकों को कारण बताओ नोटिस दिया था। अगर अथॉरिटी

कारण बताओ नोटिस जारी नहीं करेगी ।

उसका काम क्या होगा दरअसल, मंगलवार को इन विधायकों को जारी अयोग्यता नोटिस मामले में हाईकोर्ट ने लगातार दूसरे दिन सुनवाई की थी। बहस पूरी होने के बाद 24 जुलाई तक फैसला सुरक्षित रख लिया। तब तक स्पीकर इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के आदेश दिए गए। इसके खिलाफ स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

उ.प्र. में अब तक साढ़े सोलह लाख से अधिक सैम्पलों की जांचः अमित मोहन प्रसाद

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया है कि राज्य में अब तब साढ़े सोलह लाख से अधिक सैम्पलों की जांच की गयी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने गुरूवार को यहां बताया कि राज्य में टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में बुधवार को एक दिन में 54,897 सैम्पल की जांच की गयी, जो अब तक सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 16,54,651 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि जिलों में स्टैटिक बूथ बनाये जा रहे है जिनमें एन्टीजन टेस्ट की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। राज्य में पिछले 24घंटो में कोरोना के 2529 नये मामले आये है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 21,003 कोरोना के मामले एक्टिव हैं। अब तक 33,803 मरीज पूरी तरह से उपचारित हो चुके हैं। प्रसाद ने बताया कि पूल टेस्ट के तहत कुल 3001 पूल की जांच की गयी, जिसमें 2760 पूल 5-5 सैम्पल के तथा 241 पूल 10-10 सैम्पल की जांच की गयी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 55 हजार से अधिक कोविड हेल्प डेस्क विभिन्न विभागों में, निजी प्रतिष्ठानों में, उद्योगों में स्थापित कर दिये गये है। विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों, उद्योगों में जहां पर 20 से अधिक कामगार काम कर रहे है वहां पर कोविड हेल्प डेस्क स्थापित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस की कार्रवाई के तहत 1,81,767 सर्विलांस टीम द्वारा 1,31,27,412 घरों के 6,68,31,174 लोगों का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोग्य सेतु ऐप से अलर्ट जनरेट आने पर कन्ट्रोल रूम द्वारा निरन्तर फोन किया जा रहा है। अलर्ट जनरेट होने पर अब तक 3,67,740 लोगों को कंट्रोल रूम द्वारा फोन कर जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एल-1, एल-2, एल-3 स्तर के कोविड अस्पतालों में कुल 1.51 लाख से अधिक बेड उपलब्ध है। प्रसाद ने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित होने वाले लोगों की जांच के लिए विभिन्न स्तर पर लोगों को सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। जिसमें होम आइसोलेशन, होटलों में, सेमी पेड डबल ऑक्यूपेंसी की सुविधा अनुमन्य है इसी प्रकार सभी एल-1, एल-2, एल-3 स्तर के अस्पतालों में कोविड-19 का इलाज कराया जा सकता है। कोविड-19 रोगियों को कुछ शर्तों के साथ होम आइसोलेशन की सुविधा प्रदान की जा रही है।

गहलोत ने मोदी-शाह पर साधा निशाना, कोरोना के बीच सरकार गिराने की साजिश

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पड़ रहे केंद्रीय एजेंसियों के छापों से वे घबराने वाले नहीं हैं और न ही उनका मिशन रुकेगा। गहलोत ने एक सवाल के जवाब में यहां संवाददाताओं से कहा, इन छापों से न हम घबराने वाले हैं ... न हमारा मिशन रुकने वाला हैं। भाजपा की नीतियां व कार्यक्रम हो या सिद्धांत देश का बर्बाद करने वाले हैं। फासीवादी लोग हैं, लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन एजेंसी (ईडी) ने हाल ही में अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले कई लोगों के प्रतिष्ठानों व परिसरों पर छापे मारे हैं। निदेशालय ने बुधवार को गहलोत के बड़े भाई अग्रसेन गहलोत के घर पर भी छापे मारे। गहलोत ने कहा, ईडी (प्रवर्तन एजेंसी) की कार्रवाई हो, आयकर विभाग की हो या सीबीआई की हो। छह साल से लगातार मैं खुद बोल रहा हूं, पूरा देश बोल रहा है कि जिस प्रकार से कार्रवाइयां शुरू हुई हैं नरेंद्र मोदी के राज में, अमित शाह के इशारे पर ... सीबीआई, ईडी, सबको मालूम है .....इस रूप में काम कर रही हैं। यह कोई नई बात नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, एक जमाने में छापा पड़ने के बाद पता चलता था कि छापा पड़ गया है। अब हालात यह है कि तीन चार दिन पहले ही शहरों में खबर हो जाती है कि छापे पड़ने वाले हैं। अब उसी रूप में छापे पड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इसका मुकाबला करने का दमखम आज भी केवल कांग्रेस में है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह 54 या 44 पर आ गई, लेकिन जो लोग समझदार हैं चाहे वह भाजपा के या किसी और पार्टी के, वे भी जानते हैं कि कांग्रेस एक मजबूत दल के रूप में रहनी चाहिए। सरकारें आती हैं, जाती हैं पर कांग्रेस की मजबूती देश की मजबूती है।

भाजपा सांसद के पैरों में गिरे 20 दिन से गायब 7 साल की बच्ची के माता-पिता, कांग्रेस ने कसा तंज

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ से 20 दिन पहले लापता 7 साल की बच्ची का पता लगाने में पुलिस नाकाम रही है। इस बात ये आक्रोशित परिजनों ने नेशनल हाइवे पर चक्का जाम कर विरोध शुरु किया है। इस मौके पर एक बेहद भावुक कर देने वाले दृश्य सामने आया है कि इस जाम में राजगढ़ सांसद रोडमल नागर फंस गए और जब इस वे मौके पर बच्ची के माता-पिता से मिले तो परिजनों ने भाजपा सांसद के पैरों में गिर कर अपनी बच्ची की वापसी की गुहार लगाई। गरीब अपनी 7 साल की मासूम बेटी को खोजने की गुहार पुलिस से लगा रहे हैं, 20 दिन बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई तो बदहवास होकर सड़कों पर बिलख रहे हैं। इंसान होना इतना मुश्किल भी तो नहीं..! वहीं दूसरी और सांसद रोडमल नागर ने परिजनों से बच्ची को ढूंढने में 7 दिन का वक्त मांगा और आश्वासन देकर जाम खोलने की बात कही। फिर जाकर ग्रामीणों ने जाम खोल दिया। भड़के ग्रामीणों ने विधायक के सामने ही पुलिस को चेतावनी दी है कि यदि 7 दिन के अंदर पुलिस द्वारा लड़की को ढूंढ कर नहीं लाया जाता है तो वे 8 वें दिन फिर से चक्का जाम करेंगे। बता दें कि तकरीबन 20 दिन पहले नरसिंहगढ़ तहसील के गांव अंबेडकर नगर से 7 साल की बच्ची लापता हो गई थी। बताया जा रहा है कि बच्ची के माता-पिता उसे पड़ोसी के घर में खेलता छोड़ खेत पर गए थे। तभी से वो लापता है। रात को जब परिजन खेत से घर लौटे तो बच्ची नहीं मिली, उसके गुमशुदा होने की सूचना बच्ची के परिजनों ने नरसिंहगढ़ थाने में की थी। वहीं इस सारे घटनाक्रम को लेकर मध्य प्रदेश ने सत्तारुढ़ बीजेपी सरकार को घेरा है। रात को जब परिजन खेत से घर लौटे तो बच्ची नहीं मिली, उसके गुमशुदा होने की सूचना बच्ची के परिजनों ने नरसिंहगढ़ थाने में की थी। वहीं इस सारे घटनाक्रम को लेकर मध्य प्रदेश ने सत्तारुढ़ बीजेपी सरकार को घेरा है। म प्र कांग्रेस ने ट्वीट करते हुए लिखा कि इस हाल में है मप्र की जनता और बेशर्म सरकार निन्द्रालीन है। ये गरीब अपनी 7 साल की मासूम बेटी को खोजने की गुहार पुलिस से लगा रहे हैं, 20 दिन बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई तो बदहवास होकर सड़कों पर बिलख रहे हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीन का पैंतरा

भूटान को रिझाने के लिए चीन ने जो पैकेज प्रस्ताव किया है, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। अब इसमें कोई संदेह की बात ही नहीं कि इस पैकेज प्रस्ताव के जरिए चीन जिस सकतेंग इलाके को हड़पना चाहता है, उससे सर्वाधिक नुकसान भारत को है। जिस इलाके पर चीन दावा कर रहा है, वहां पहुंचने के लिए उसे भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरना होगा। यह एक तरह से भीतर घुसकर वार करने की कूटनीति है। यदि भूटान से यह जमीन चीन हड़पने में सफल रहा, तो अरुणाचल प्रदेश के एक बड़े हिस्से पर वह दावा करने की स्थिति में पहुंच जाएगा। पैकेज प्रस्ताव में और क्या बातें हैं, यह तो अभी बहुत स्पष्ट नहीं है, लेकिन चीन एक जगह जमीन लेकर दूसरी जगह अपना दावा छोड़ने की इच्छा जता रहा है। चीन को दोनों ही जगह कुछ भी गंवाना नहीं है, पाना ही है। अब तक भारत के साथ खड़ा रहा भूटान चीन को चुभ रहा है। पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार जैसे देश तो पहले ही चीन की गोद में बैठे नजर आ रहे हैं, लेकिन भूटान एक ऐसा संप्रभु देश है, जो चीन की मनमानी के सामने झुकने को तैयार नहीं है। निश्चय ही यह भारत के लिए सचेत रहने का समय है। गौर करने की बात है, अरुणाचल प्रदेश को चीन अनेक बार असभ्यता दर्शाते हुए अपने नक्शे में दिखा देता है, लेकिन उसने भूटान के सकतेंग इलाके को कभी अपने नक्शे में नहीं दिखाया है। आज अचानक उसे सकतेंग का महत्व समझ में आया है, तो हमें कतई भोलेपन से काम नहीं लेना चाहिए। हमारी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ जानी चाहिए। भूटान को अपने साथ रखने के लिए भारत जो भी कर सकता है, उसे जरूर करना चाहिए। विश्व मंचों पर भी चीन की चालाकी उजागर की जानी चाहिए। दक्षिण की ओर अपने विस्तार के लिए चीन की योजनाएं और साजिशें, दोनों ही समान रूप से पुरानी हैं। तिब्बत के विशेषज्ञ अक्सर याद दिलाते रहे हैं कि जब चीन ने तिब्बत को कब्जे में लिया था, तब यह कहा गया था कि तिब्बत तो हथेली का मुख्य हिस्सा है, पांच उंगलियों (फाइव फिंगर्स) पर कब्जा करने के बाद ही काम पूरा होगा। चीनी मनमानी की ये पांच उंगलियां हैं- लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, भूटान और नेपाल। इनमें से लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और नेपाल को चीन धीरे-धीरे खुरच रहा है। भूटान से भी उसके विवाद रहे हैं, लेकिन उसकी विगत कुछ वर्षों की आक्रामकता इसलिए भी है, क्योंकि उसके पड़ोसियों में भारत के अलावा सिर्फ भूटान ही ऐसा देश है, जो उसकी बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव(बीआरआई) में शामिल नहीं है। यह बात चीन को लगातार चुभ रही है और उसकी साजिशों से यह जाहिर हो जाता है कि वह भारत को जिम्मेदार मानता है। लेकिन सकतेंग पर उसकी गिद्ध दृष्टि से हमें विचलित होने की बजाय पूरी तैयारी से मुकाबला करना चाहिए। अपनी पारंपरिक जगहों से कतई पीछे नहीं हटना है। यह ज्यादा उदारता दिखाने का समय नहीं है। अपने निरंतर नए दावों से वह भारत को परेशान करना चाहता है, ठीक उसी तरह से भारत को उसकी कमजोर नसों को पकड़ना होगा। विश्व मंचों पर चीन की मनमानियों का सुनियोजित, नियम-सम्मत विरोध भी भारत के लिए अब जरूरी है। जो देश हमें हर स्तर पर निशाना बनाना चाहता है, उसके विरुद्ध हमारी दृढ़ कूटनीतिक सक्रियता ही सबसे सही जवाब है।

लद्दाख तनाव से उभरती नयी चुनौतियां

जी. पार्थसारथी

लद्दाख क्षेत्र की सीमा में घुसपैठ किए बैठे चीनी सैनिकों की पूरी तरह से वापसी के लिए समझौता वार्ताओं का दौर जारी है और लगता है कि ये लंबी खिंचने वाली हैं। संभवत- स्थिति में वास्तविक बदलाव नवंबर माह के मध्य तक ही हो पाएगा, जब सर्दियों की बर्फ गिरनी शुरू हो जाएगी। हालांकि लद्दाख के भारतीय इलाके में चीनी घुसपैठ के पीछे कई कारण गिनाए जा रहे हैं लेकिन यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे हम भाग नहीं सकते। चीन को उन इलाकों में सीमा पर शांति बनाए रखने की कद्र नहीं है, जो भारत के रहे हैं। यहां तक कि चीन ने अपना विस्तृत नक्शा देने से इनकार कर दिया है, जिसके आधार पर वह 1962 के युद्ध उपरांत उभरी सीमा व वास्तविक सीमा रेखा पार के आर-पार के इलाकों को अपना बता रहा है, हालांकि ये दावे सरासर झूठ हैं। सीमा पर शांति बनाने और विवाद सुलझाने हेतु बातचीत तब तक बेमानी है जब तक भारत को वे नक्शे नहीं सौंपे जाते, जिससे पता चले कि वास्तविक सीमा को लेकर चीन का विवरण आखिर है क्या? वास्तविक सीमा रेखा की सुस्पष्ट निशानदेही करने से इनकार के बाद चीन बीच-बीच में अपनी सीमा रेखा भारत की तरफ सरकाता आया है, जिससे संघर्ष की नौबत और तनातनी बनना स्वाभाविक है। बेशक सीमा विवाद सुलझाने हेतु 'मार्गदर्शक सिद्धांतों' पर सहमति वर्ष 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और चीनी समकक्ष वेन जिया बाओ के बीच बनी थी। इसके बावजूद मामला सुलझाने में उन्हें जरा भी दिलचस्पी नहीं है। अतएव जब तक ऐसा रवैया है, तब तक भारत को सीमा पर समय-समय पर बनने वाले तनावों के लिए खुद को तैयार रखना होगा। आगे भी इसकी संभावना बनी रहेगी। इस दौरान हमें यह तय करना होगा कि चीन से निपटने में कौन से राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य तौर-तरीकों का इस्तेमाल किया जाए। चीनी मीडिया की रिपोर्टें इंगित करती हैं कि वहां भारत की नीतियों और क्षमताओं को दोयम दर्जे का लिया जा रहा है। सीमा पर घुसपैठ के जरिए जब तब तनाव पैदा करना चीन की दीर्घकालीन रणनीति का अंग है, जिसके तहत वह भारत की घेराबंदी करना चाहता है। इसके लिए पाकिस्तान को परमाणु अस्त्रों की डिजाइन और प्लूटोनियम संवर्धन क्षमता पाने में भरपूर मदद की गई है। साथ ही पाकिस्तान को चीन लड़ाकू हवाई जहाज, टैंक, जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, राडार, यूएवी, राइफलें, हॉवित्जर तोपें, एंटी-टैंक मिसाइलें, नौसैन्य फ्रिगेट एवं पनडुब्बियां देता आया है। जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर चीन पाकिस्तान को अभूतपूर्व समर्थन देता रहा है। पाक अधिकृत कश्मीर की सरकार से साथ सीधा राब्ता बनाकर चीन वहां सड़कें और पनबिजलीघरों का निर्माण कर रहा है। दक्षिण एशिया के उन मुल्कों में जहां दीगर राजनीतिक नेता और दल भारत के प्रति ज्यादा दोस्ताना रवैया नहीं रखते, चीन उनकी मदद करके शह देता है। यह काम वह पहले श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश में करता आया है और आजकल नेपाल में हो रहा है। चीन अपनी समुद्री सीमा विस्तारवादी नीति के तहत दबंगता पर उतारू हो तमाम पड़ोसियों को तंग करता आया है, लेकिन अब उसे कुछ मुल्कों के अप्रत्याशित विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इन देशों में जापान, ताइवान, फिलीपींस, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया और ब्रुनेई हैं। आसियान संगठन के 10 सदस्य देशों ने 27 जून को मांग की है कि दक्षिण चीन सागर में इलाकाई और सीमा संबंधी विवादों को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में बनी 'समुद्री कानून संहिता' के अनुसार सुलझाया जाना चाहिए। परंतु चीन ने अपनी नौसैन्य शक्ति का भोंडा प्रदर्शन करते हुए अपने गैरकानूनी दावे वियतनाम, ब्रुनेई, फिलीपींस और इंडोनेशिया पर थोपने की कोशिश की है। ऐसी दबंगई करने के पीछे दक्षिण चीन सागर के गर्भ में छिपे लगभग 11 अरब बैरल कच्चा तेल और करीबन 190 खरब घन फीट प्राकृतिक गैस के भंडार हैं। इसको लेकर 10 आसियान देशों ने मिलकर आवाज उठाई है। दूसरी ओर भारत ने अपने तमाम पूर्वी पड़ोसी देशों के साथ सागरीय सीमा संबंधी विवादों को शांतिपूर्वक बातचीत से सुलझा रखा है। चीन द्वारा अपने पड़ोसियों पर बाहुबल दिखाने पर सबसे कड़ी प्रतिक्रिया 13 जुलाई को अमेरिकी विदेश मंत्री माइकेल पोम्पियो ने की है - 'दक्षिण चीन सागर क्षेत्र के अपने पड़ोसी देशों के साथ समुद्री सीमा विवादों को सुलझाने में चीन धमकियों का सहारा ले रहा है, वह अंतर्राष्ट्रीय कानून को 'जिसकी लाठी- उसकी भैंस' में तबदील करना चाहता है।' उधर, चीन ने अपना मंतव्य वर्ष 2010 से ही स्पष्ट कर दिया था जब तत्कालीन चीनी विदेश मंत्री यांग जिएची ने आसियान संगठन के अपने समकक्षों को दो टूक कहा था 'चीन विशालकाय मुल्क है और अन्य देश इसके सामने बौने हैं और तथ्य यही है।' जबकि 21वीं सदी की दुनिया में दूसरों का माल हड़पने वाले ऐसे नजरिए के लिए कोई स्थान नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में अपने दो विमानवाहक बेड़े तैनात कर दिए हैं, जो चीन की बाध्यकारी नीतियों को सीधी चुनौती है। चीन की मुश्किलों में इजाफा करने की गरज से अमेरिका और अन्य देशों ने उसे चेताया है कि वह हांगकांग में नागरिकों की लोकतांत्रिक आजादी को खत्म करने वाले उपाय करने से गुरेज करे। अमेरिका और जापान चीन के साथ अपने मौजूदा व्यापारिक संबंध कम करने पर विचार कर रहे हैं, जबकि ठीक इसी वक्त चीन ईरान के साथ नए संबंध स्थापित करने में लगा है।

भारत को हाल ही में बनाए गए 'क्वाड' को सक्रिय करना होगा ताकि हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागरीय क्षेत्र में चीन की इलाकाई महत्वाकांक्षा और ताकत को नाथने के लिए सामरिक नीतियों का ताना-बाना तैयार हो सके। इस गुट में हमारे अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका हैं। इंडोनेशिया और वियतनाम के साथ सहयोग बनाकर 'क्वाड' मलक्का की खाड़ी में नौवहनीय सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। इसी तरह बहरीन स्थित अमेरिका के 5वें बेड़े और दिजबाउती के फ्रांसीसी नौसैन्य अड्डे के साथ सहयोग बनाकर भारत अपनी ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। वियतनाम को ब्रह्मोस मिसाइलें मुहैया करवाने से भारत की साख में बढ़ोतरी होगी। पुख्ता खबरों के मुताबिक चीन शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों पर जुल्म ढा रहा है, इसको लेकर भारत को मुहिम चलानी चाहिए। इससे हम चीन की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। गलवान घाटी में शांति लौट आई है। हमने अपने 20 जवानों और अफसरों को आदरपूर्वक सम्मानित किया है, जिन्होंने इसकी रक्षार्थ धोखे से किए चीनी हमले में शहादत पाई है। चीन ने भी माना है झड़प में उसका जानी नुकसान हुआ है, लेकिन संख्या नहीं बताई। हमारी संसद और नागरिकों को तफ्सील से जानने का जायज हक है कि लद्दाख में हुई चीनी घुसपैठ के दौरान वास्तव में हुआ क्या था? उम्मीद है कि संसद के भीतर इन विषयों पर खुलकर विचार-विमर्श होगा। चीन से दरपेश चुनौतियों से अगर सफलतापूर्वक निपटना है तो हमारे लिए एक राष्ट्रीय सर्वसम्मति बनाना जरूरी है।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

आज के ट्वीट

नींच

कोई भी जाति नींच नही होती,
पर नींच आदमी हर जाति में होते है.

-- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

आत्म-ज्ञान

सद्गुरु

अगर तलाश के लिहाज से, अनुभव करने और जानने के लिहाज से बात की जाए, तो आत्मज्ञान से बढ़कर कुछ नहीं है। खोज करने के लिए वाकई कुछ और नहीं है। लेकिन अगर जीवन जीने के लिहाज से बात की जाए तो उसके अलावा भी बहुत कुछ है। देखिए जीवन के आखिरी पलों में जब आपकी सांसें डूब रही होंगी, उस समय आपको आत्म-ज्ञान कराना मेरे लिए बच्चों का खेल होगा। क्योंकि उन क्षणों में आप बेहद संवेदनशील और ग्रहणशील हो जाते हैं। तब आपको आसानी से बदला जा सकता है। लेकिन अभी मैं आपसे कुछ भी कहता हूं तो कुछ देर बाद आप एक नये तर्क के साथ मेरे पास आ जाते हैं। मैं चाहे आपके साथ कुछ भी करूं, मैं आपको चाहे जैसे अनुभव कराऊं, लेकिन आप दो महीने बाद वापस आ जाएंगे और मुझसे पूछेंगे कि 'यह क्या है?' लेकिन फिलहाल हम आपका जीवन नहीं लेना चाहते, इसलिए हम इंतजार कर रहे हैं। हम बस आपके मरने का इंतजार कर रहे हैं। या फिर हम इसका इंतजार कर रहे हैं कि आप अपने सिस्टम पर पूरी महारत हासिल करें, ताकि आप आत्म-ज्ञानी हो जाएं और साथ ही इस शरीर में भी रह सकें। आत्मज्ञान सरल है, यह परम प्रक्रिया है, लेकिन अपने आप में आसान है। कहा भी गया है-'आत्मज्ञान अति सुलभम्। आत्म-ज्ञान पाना बहुत आसान है, लेकिन अपने इस शरीर को थामे रखने की तकनीक काफी जटिल है। इसके लिए जबरदस्त समझ, जुड़ाव, प्रज्ञा और साधना की जरूरत होती है। चलिए हम इसे ऐसे समझते हैं। मान लीजिए हमने आपके लिए फरारी का इंतजाम किया। आप पहले से ही कार चलाना जानते हैं, अभी तक आप मारुति कार चला रहे थे। फरारी में जिस तरह की शक्ति होती है, उसके चलते हो सकता है कि शुरू में यह आपको थोड़ा बहुत नचाए व परेशान करे, लेकिन एक दिन में या फिर कुछ घंटों में आपको फरारी समझ में आने लगती है और तब आप इसे दौड़ाने लगते हैं। लेकिन अब आप चाहते हैं कि हर व्यक्ति के पास एक फरारी हो। अब आप अपने गांव में फरारी बनाना चाहते हैं। इसमें एक बिल्कुल अलग तरह की भागीदारी की जरूरत होगी। तो केवल उस संदर्भ में मैंने कहा कि अगर आपको आत्म-ज्ञान की तलाश है तो आप इंतजार कीजिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

राजस्थान सरकार की प्रगतिशील पहल

रिजवान अंसारी

मृत्यु भोज की प्रथा लगभग हर धर्म-संप्रदाय में व्याप्त है। व्यक्ति की मौत के बाद कई चरणों में लोगों को खाना खिलाने का रिवाज है। हालांकि, अलग-अलग जगहों पर इसमें भिन्नता देखी गई है, लेकिन किसी न किसी रूप में इसने हर जगह रीति-रिवाजों की ओट में खुद को महफूज रखा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि गरीबों को मरने वाले के नाम पर खिलाने से उसके गुनाह माफ होते हैं और बदले में उसे सवाब (पुण्य) मिलता है। लेकिन, एक ऐसा भी मृत्यु भोज करने का चलन भी है, जिसमें रिश्तेदारों और सगे-संबंधियों को खिलाया जाता है। चूंकि, मृत्यु भोज का कोई प्रत्यक्ष नुकसान नहीं दिखता, इसलिए इसे लेकर लोग ज्यादा मुखर नहीं होते। भारत के लगभग हर समुदाय में इस प्रथा को देखा जा सकता है। लेकिन, यह सोचने की जरूरत है कि अगर मृतक का परिवार गरीब है, तो वह इस भोज के लिए कहां से और कैसे धनराशि का इंतजाम करे। एक तरफ अपनों को खोने का दुख और दूसरी तरफ भोज के लिए धन के प्रबंधन का तनाव। इसी के मद्देनजर राजस्थान सरकार ने 60 साल पुराने 'मृत्यु भोज निवारण कानून' को राज्य में सख्ती से लागू करने का ऐलान किया है। कानून के प्रावधान के अनुसार उल्लंघन करने वाले को एक साल कैद की सजा और एक हजार रुपये जुर्माना देना होगा। सरकार ने यह भी साफ किया है कि अगर मृत्यु भोज का आयोजन किया जाता है तो इसकी जानकारी पंच, सरपंच और पटवारी प्रशासन को देंगे। और अगर जानकारी छुपाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कानून के प्रावधानों के मुताबिक अगर समाज का कोई व्यक्ति मृत्यु भोज के लिए दबाव बनाता है, उसमें मदद करता है या पैसे उधार देता है तो ये सभी इस कार्रवाई की जद में आएंगे। सरकार का यह कदम कई मायनो में प्रासंगिक है और देश के हर राज्य को इसे हाथों-हाथ लेने की जरूरत है। देश में जब लॉकडाउन हुआ, तब आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्याओं की खबरें प्रकाश में आईं। किसी की नौकरी छूट गई तो किसी का कारोबार ठप हो गया। ऐसे में कई परिवार भुखमरी के कगार पर आ गए और देश के कोने-कोने से खुदकुशी की खबरें बहुतायत में आईं। लेकिन, आर्थिक तंगी के बावजूद मृत्यु भोज पर अंकुश नहीं लग सका। इससे इतर, लॉकडाउन के दौरान अपने घर जाने के क्रम में सैकड़ों प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। विडंबना है कि इस दर्दनाक हादसे के बाद भी मृतकों के परिवार पर मृत्यु भोज का दबाव था। सोचने वाली बात है कि पेशे से एक मजदूर व्यक्ति का परिवार मृत्यु भोज के लिए धन कहां से जुटाएगा। जाहिर है, वह सूद पर किसी से कर्ज लेगा और भोज का इंतजाम करेगा। यह बातें सोचने में जितनी असहज लग रही हैं, उससे कहीं ज्यादा असहज उस गरीब की जिन्दगी हो जाती है जो कर्ज के बोझ से जीवन भर नहीं उठ पाता। मृत्यु जैसी दुख की घड़ी में एक गरीब परिवार के लिए मृत्यु भोज किसी किसी दोहरी मार से कम नहीं होता। दरअसल कुप्रथा के चलते मृत्यु भोज को भी मृतक के परिवार के लिए मान-प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिया गया है। मृत्यु भोज भी एक प्रकार का सामाजिक दंश है, जिसे पूरा करने के लिए

मृतक का परिवार कर्ज लेता है और वह उसके बोझ तले दबता चला जाता है। कर्ज का दबाव इतना ज्यादा होता है कि एक गरीब परिवार और गरीब बनता चला जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक भारतीयों में सबसे ज्यादा कर्ज लेने की प्रवृत्ति पाई जाती है। इसकी वजह है कि लोग समाज में अपनी 'प्रतिष्ठा' बनाए रखने के लिए सभी रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हैं और इसके लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ता है। मृत्यु भोज पर रोक लगाने की कवायद की शुरुआत भले ही राजस्थान से हुई हो, लेकिन इस प्रथा के प्रभाव को देखते हुए पूरे देश को इससे मुक्ति दिलाने की जरूरत है। कहने की जरूरत नहीं कि देश की एक बड़ी आबादी की आर्थिक स्थिति निम्न है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में हमारी गिनती पिछड़े देशों में होती है, इस मामले में हम दुनिया में 126वें पायदान पर हैं। ऐसे में अगर गरीब तबके को अनावश्यक रीति-रिवाजों के कारण फिजूलखर्ची के दबाव से आजादी मिल जाए, तो उनकी जीवन शैली और बेहतर हो सकती है। वे बेहतर स्वास्थ्य व शिक्षा के बारे में सोच सकते हैं। समझना होगा कि कोई भी प्रथा स्थायी नहीं होती, समय के साथ उसमें परिवर्तन लाना ही प्रगतिशीलता का प्रमाण है। बहरहाल, नागरिक समाज की जिम्मेदारी है कि वह इस सामाजिक दबाव से निपटने में सक्रिय भूमिका निभाए। सामाजिक संस्था, बुद्धिजीवी वर्ग आदि को इस कुप्रथा के खिलाफ मुहिम छेड़नी होगी।

मारुति के एमएसआई नेटवर्क ने पूरे किए 5 साल, बेचीं 11 लाख कारें

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की प्रीमियम खुदरा श्रृंखला नेक्सा ने अपने परिचालन के पांच साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान उसने 11 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री की है। मारुति ने बयान में कहा कि 200 से अधिक शहरों में 370 शोरूम के साथ मात्रा के हिसाब से नेक्सा तीसरा सबसे बड़ा खुदरा वाहन ब्रांड है। नेक्सा नेटवर्क के जरिये कंपनी इग्निस, बलेनो, सियाज, एस-क्रॉस और एक्सएल6 मॉडलों की बिक्री करती है। एमएसआई के कार्यकारी निदेशक विपणन एवं बिक्री शशांक श्रीवास्तव ने कहा, 'नेक्सा देश में किसी वाहन कंपनी की पहली पहल है। इसने ग्राहकों को एक नए प्रकार का खुदरा अनुभव दिया है।' उन्होंने कहा कि इस ब्रांड ने पांच साल में 11 लाख उपभोक्ताओं को सेवाएं दी है। कंपनी ने नेक्सा बिक्री नेटवर्क की शुरुआत 2015 में की थी।

नेट स्पीड के मामले में जियो ने फिर मारी छलांग, वोडाफोन -एयरटेल से निकला आगे

बिजनेस डेस्क। मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने जून माह में औसत 4जी अपलोड गति में अन्य कंपनियों को काफी पीछे छोड़ते हुए अपनी बादशाहत को बरकरार रखा। वैश्विक महामारी कोविड-19 की वजह से देश में लॉकडाउन से दूरसंचार कंपनियों की नेट स्पीड पर भी खासा असर पड़ा था। मार्च और अप्रैल में नेट स्पीड में कमी दर्ज करने के बाद, मई में थोड़ी स्थिरता आई और अब टेलीकॉम कंपनियों की स्पीड फिर बढ़ने लगी है। भारतीय दूरसंचार नियायक प्राधिकरण (ट्राई) के जून माह के आंकड़ों पर नजर डाले तो रिलायंस जियो एक बार फिर औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में अव्वल साबित हुई है। जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 16.5 एमबीपीएस मापी गई। जियो की स्पीड लगातार तीसरे महीने बढ़ी है, मई माह में यह 14.1 एमबीपीएस और अप्रैल में 13.3 एमबीपीएस थी। रिलायंस जियो लंबे अर्से से लगातार नंबर वन 4जी ऑपरेटर बना हुआ है। दूरसंचार क्षेत्र की अन्य कंपनियां जियो से इस मामले में बहुत पीछे हैं। ट्राई के अनुसार जून में भारती एयरटेल के प्रदर्शन में मामूली सुधार देखा गया। एयरटेल की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड मई के 7.0 एमबीपीएस के मुकाबले जून में 7.2 एमबीपीएस रही हालांकि यह जियो के मुकाबले आधे से भी कम है। वोडाफोन और आइडिया सेल्युलर के कारोबार का हालांकि विलय हो चुका है और अब वोडाफोन आइडिया के रूप में काम कर रहे हैं किंतु ट्राई दोनों के आकड़े अलग अलग दिखाता है। वोडाफोन और आइडिया नेटवर्क की औसत 4 जी डाउनलोड स्पीड में भी मामूली सुधार दर्ज किया गया। वोडाफोन की स्पीड जून में 7.5 एमबीपीएस और आइडिया की 8 एमबीपीएस रही।

सड़क मंत्रालय ने टायरों में हवा की निगरानी के दिशानिर्देश जारी किए

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वाहनों में टायरों में हवा के दबाव की निगरानी प्रणाली से संबंधी दिशानिर्देश जारी किए हैं। एक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय ने जीएसआर 457 (ई) द्वारा सीएमवीआर 1989 में संशोधन किए हैं। इसके तहत अधिकतम 3.5 टन मास तक के वाहनों के लिए टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) का सुझाव दिया गया है। यह वाहन के चलते रहने की स्थिति में टायर या इसके वेरिएशन के इंफ्लेशन दबाव की निगरानी करता है और चालक को अग्रिम रूप से जानकारी देता है। इसके माध्यम से सड़क सुरक्षा में बढ़ोतरी करता है। साथ ही इसमें टायर मरम्मत किट की अनुशंधा की गई। इसमें टायर पंक्चर (ट्यूबलेस टायर) होने के समय रिपेयर किट के उपयोग से सीलेंट को टायर ट्रेड में पंक्चर हुए स्थान पर एयर सील के साथ डाला जाता है। अगर टायर रिपेयर किट और टीपीएमएस उपलब्ध कराया गया है तो ऐसे वाहनों में अब अतिरिक्त टायरों की आवश्यकता समाप्त हो गई है।

महाराष्ट्र, कर्नाटक में किसानों को 800 करोड़ रुपये के फसल बीमा मुहैया करायेगी भारती एक्सा

नयी दिल्ली।

निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे महाराष्ट्र और कर्नाटक की राज्य सरकारों ने किसानों का 800 करोड़ रुपये के फसल बीमा करने के लिये चुना है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इसके तहत दोनों राज्यों के किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा का लाभ मिलेगा। उसने कहा कि उसे महाराष्ट्र के छह जिलों और कर्नाटक के तीन जिलों में अगले तीन साल तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का क्रियान्वयन करने को कहा गया है। कंपनी ने कहा कि महाराष्ट्र में अहमदनगर, नासिक, चंद्रापुर, सोलापुर, जलगांव और सतारा तथा कर्नाटक में धरवाड़, मैसूरु और कोडागु के किसान 31 जुलाई तक अपने-अपने बैंकों या कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी खरीफ फसल का बीमा करा सकेंगे। भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) संजीव श्रीनिवासन ने कहा, ''हमें खुशी है कि हमें महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ जिलों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को उनकी फसल का बीमा उपलब्ध कराने के लिये चुना गया है। इससे उन्हें प्राकृतिक संकटों व अनिश्चितताओं से अपनी फसल की रक्षा करने में मदद मिलेगी। एक जिम्मेदारी बीमाकर्ता मदद मिलेगी। एक जिम्मेदारी बीमाकर्ता के रूप में हमारा उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के चलते फसल नष्ट हो जाने पर किसानों को बीमा कवरेज एवं वित्तीय सहयोग प्रदान करना है।''

अमेरिका के पांच व्यापार संगठनों ने एच1बी गैर-आव्रजक वीजा पर रोक को अदालत में चुनौती दी

वाशिंगटन। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स सहित पांच शीर्ष व्यापार निकायों ने शेष वर्ष के लिए नए गैर-आव्रजन वीजा को स्थगित करने संबंधी राष्ट्रपति के आदेश को अदालत में चुनौती दी है। इनमें एच-1बी वीजा भी शामिल है, जो भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने आदेश जारी कर कई गैर-आव्रजन श्रेणियों में पेशेवरों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इनमें एच-1बी वीजा भी शामिल है। ट्रंप ने कहा था कि विदेशी कर्मचारी कोविड-19 महामारी के बीच अमेरिकियों की नौकरी 'हथिया' लेंगे, जिसकी वजह से यह कदम उठाना जरूरी है। एच-1बी गैर-आव्रजक वीजा है। इसमें अमेरिकी कंपनियां विशेषज्ञता वाले स्थानों पर विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति कर सकती हैं। भारत और चीन से हर साल हजारों कर्मचारी इस वीजा पर अमेरिका में नौकरी करने जाते हैं। नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स, यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स, नेशनल रिटेल फेडरेशन, टेकनेट और इन्ट्रैक्स की ओर से दायर अपील में कहा गया है ।

अमेजन ने भारत में बढ़ाया कारोबार, 10 बड़े सप्लाई सेंटर खोले

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपनी 'प्राइम डे' सेल से पहले भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए 10 नए भंडारगृह खोले हैं। साथ ही अपनी सात मौजूदा इमारतों का भी विस्तार किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ये 10 नए आपूर्ति केंद्र (फुलफिलमेंट सेंटर) दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, पटना, लखनऊ, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, लुधियाना और अहमदाबाद में खोले गए हैं। कंपनी ने कहा कि ये वास्तव में भंडारगृह न होकर आपूर्ति केंद्र हैं। ये पारंपरिक भंडारगृहों से अलग होते हैं। ये पूरी तरह से स्वाचालित केंद्र होते हैं जहां सामान को ऑर्डर के हिसाब से उठाने से लेकर पैक करने का काम स्वचालन प्रक्रिया से होता है। इससे सामान की डिलिवरी को तेज करने में मदद मिलती है। हालांकि कंपनी ने अपने उन सात मौजूदा केंद्रों की जानकारी नहीं जिनका उसने विस्तार किया है। अमेजन इंडिया के देशभर में 60 से ज्यादा आपूर्ति केंद्र हैं। उसने विस्तार किया है। अमेजन इंडिया के देशभर में 60 से ज्यादा आपूर्ति केंद्र हैं। देश के 15 राज्यों में फैले इन केंद्रों की कुल भंडारण क्षमता 3.2 करोड़ घन फुट से अधिक है।

कोविड-19 की वजह से बढ़ी पुरानी कारों की मांग : रिपोर्ट

नयी दिल्ली।

पुरानी या सेकेंड हैंड यात्री कारों के बाजार में तेजी से सुधार हो रहा है। एक रपट के मुताबिक इस साल अप्रैल-जुलाई की अवधि में पुरानी कारों के बाजार ने वृद्धि दर्ज की है। वहीं इस महीने ऐसे वाहनों की मांग फरवरी की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़ी है। पुराने सामानों की बिक्री के उपभोक्ता-से-उपभोक्ता मार्केटप्लेस ओएलएक्स के अनुसार जुलाई में पुरानी कारों में सबसे अधिक मांग सेडान की रही है। उसके बाद एसयूवी और हैचबैक का नंबर आता है। ओएलएक्स के 'ऑटो नोट' के चौथे संस्करण में कहा गया है कि जहां तक उपभोक्ता धारणा की बात है। इस सर्वेक्षणक्षण में 55 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अगले छह माह में अपने निजी वाहन के इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं। इस मांग में गैर-महानगरों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। रपट में कहा गया है कि सेकेंड हैंड वाहनों की मांग बढ़ने की एकमात्र वजह साफ-सफाई को लेकर चिंता ही नहीं है, बल्कि अब लोगों का निजी वाहन खरीदने का बजट भी कम हो गया है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार मात्रा के हिसाब से पुरानी कारों का बाजार नई कारों की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया है कि अब साफ-सफाई की चिंता की वजह से कैब सेवाओं सहित सार्वजनिक परिवहन को लेकर प्राथमिकता घटी है। सर्वेक्षण में शामिल 55 प्रतिशत लोगों का कहना था कि वे भविष्य में अपनी निजी कार से सफर करना चाहेंगे। कोविड-19 से पहले ऐसा कहने वालों की संख्या 48 प्रतिशत थी। ओएलएक्स ने कहा कि वाहन बाजार अब सुधार की राह पर है। सर्वेक्षण में शामिल 56 प्रतिशत लोगों ने अगले तीन से छह माह में कार खरीदने की बात कही।

सर्वेक्षण के अनुसार, अब लोगों की प्राथमिकता में बदलाव आया है। वे प्रवेश स्तर के मॉडल खरीदना चाहते हैं। 72 प्रतिशत लोगों ने कोविड-19 की वजह से अपने कार खरीदने के बजट में कटौती की है। नई कार के लिए 39 प्रतिशत लोगों का बजट तीन लाख रुपये से कम है। वहीं 24 प्रतिशत का बजट चार से सात लाख रुपये है। पुरानी कारों के लिए 50 प्रतिशत लोगों का बजट तीन लाख रुपये से कम है। वहीं 20 प्रतिशत का बजट चार से सात लाख रुपये है। ओएलएक्स और ओएलएक्स कैशमाईकार ने यह सर्वेक्षण अप्रैल-जून के दौरान किया।

एबीबी इंडिया को कृषि-रसायन क्षेत्र में मिला देश का सबसे बड़ा स्वचालन ऑर्डर

नयी दिल्ली। इंजीनियरिंग कंपनी एबीबी इंडिया को कृषि-रसायन क्षेत्र की डेक्कन फाइन केमिकल्स से प्रक्रिया स्वचालन और सुरक्षा प्रणाली परियोजनाओं को लगाने का ठेका मिला है। कंपनी का दावा है कि यह देश का सबसे बड़ा स्वचालन ऑर्डर है। कंपनी ने हालांकि इस सौदे की वित्तीय जानकारी साझा नहीं की है। कंपनी ने एक बयान में कहा, '' इस ऑर्डर के तहत डेक्कन के आंध्र प्रदेश में तुनी स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) बहु-उत्पाद संयंत्र में 100 से अधिक रिएक्टर को नियंत्रित करने वाली सुरक्षा प्रणाली और प्रक्रिया स्वचालन किया जाना है।'' डेक्कन फाइन केमिकल्स देश की प्रमुख रसायन विनिर्माता कंपनी है। अभी इसके देश में तीन विनिर्माण संयंत्र है। हर संयंत्र में स्वचालित उत्पादन प्रणाली, प्रयोगशाला, गोदाम इत्यादि की सुविधाएं मौजूद है। एबीबी इंडिया के औद्योगिक स्वचालन और ऊर्जा उद्योग प्रमुख जी. बालाजी ने कहा कि इस तरह का डिजिटलीकरण किसी कृषि-रसायन कंपनी की पूरी कारोबारी गतिविधियों को तेज करने में मदद कर सकता है। इससे उनके लाभ और मार्जिन में बढ़ोत्तरी होगी। डेक्कन के मुख्य परिचालन अधिकारी जगन बुद्धाराजू ने कहा कि एबीबी पहले भी सभी विनिर्माण संयंत्रों में स्वचालन प्रणाली लगा चुकी है। लेकिन यह पहली बार है जब 100 से अधिक रिएक्टरों को स्वचालन प्रणाली के तहत लाया जाएगा।

13 खरब की मार्केट कैप कंपनी बनी रिलायंस इंडस्ट्रीज

मुंबई।

एशिया के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज कर्जमुक्ति और फेसबुक और गूगल जैसी सोशल मीडिया की दिग्गजों के जियो प्लेटफॉर्म्स में साझीदार बनने से निवेशकों की पंसदीदा बनी हुई है। गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2078.90 रुपए के नए शिखर पर पहुंचा तो इसके बूते कंपनी ने देश की सबसे मूल्यवान और 13 खरब रुपए से अधिक मार्केट कैप वाली पहली कंपनी बनने का श्रेय हासिल किया। बीएसई में कारोबार की समाप्ति पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप कल के 1270480.06 करोड रुपए की तुलना में 36849.33 करोड रुपए की छलांग से 13 लाख छह हजार 329 करोड 39 लाख रुपए पर पहुंच गया। कंपनी के शेयर में आज 2060.65 रुपए पर 56.55 रुपए अर्थात 2.82 प्रतिशत की तेजी आई। सत्र की शुरूआत में रिलायंस का शेयर कल के बंद भाव पर ही खुला और कारोबार के दौरान अच्छी उठापटक रही। नीचे में 1991.10 रुपए और ऊपर 2078.90 रुपए तक चढ़ने के बाद आज बीएसई में शेयर का बंद भाव 2060.66 रुपए पर 56.55 रुपए अर्थात 2.82 प्रतिशत अधिक रहा। इस वर्ष मार्च के निचले स्तर 867.82 रुपए के मुकाबले शेयर 150 प्रतिशत की छलांग लगा चुका है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पूरी तरह कर्जमुक्त होने और जियो प्लेटफॉर्म्स में फेसबुक और गूगल जैसी दिग्गजों के मोटा निवेश करने से शेयर छलांग लगा रहा है। हालांकि 15 जुलाई को रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम के बाद शेयर को कुछ झटका लगा था. किंतु वह इससे जल्दी ही उबर गया। के कारोबार के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज का अधिकतम प्राइस बैंड 2204.50 रुपए और निम्नतम 1803.70 रुपए तय किया गया था।

संवेदी सूचकांक 38140.47 अंक पर 268.95 अंक अर्थात 0.71 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। एनएसई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर का भाव 2057.80 रुपए पर 53.80 रुपए अर्थात 2.68 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। रिलायंस का आंशिक भुगतान वाले राईट इश्यू के शेयर का भाव आज बीएसई में 6.82 प्रतिशत अर्थात 75.40 रुपए बढ़कर 1180.95 रुपए और एनएसई में 1179.85 रुपए पर 74.40 रुपए अर्थात 6.73 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इसका बाजार पूंजीकरण भी 50 हजार करोड़ से ऊपर 50033.82 करोड़ रुपए हो गया।

यमुना प्राधिकरण ने 12 कंपनियों को आवंटित की भूमि, भारतीय कंपनी बनाएगी मेट्रो कोच

नोएडा। जनपद गौतम बुद्ध नगर के यमुना एक्सप्रेस-वे विकास प्राधिकरण क्षेत्र में भारतीय कंपनी द्वारा मेट्रो कोच बनाया जाएगा। मेट्रो कोच बनाने वाली यह उत्तर प्रदेश की पहली कंपनी है। यमुना प्राधिकरण ने बुधवार को ऑनलाइन साक्षात्कार से 12 कंपनियों को भूमि आवंटन किया है। जिन कंपनियों को जमीन आवंटित की गई है, उनसे यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में करीब 248 करोड़ का निवेश होगा, जबकि 12 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। यमुना एक्सप्रेस-वे विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अरुण वीर सिंह ने बताया कि मेट्रो कोच बनाने के लिए पीपीएस इंटरनेशनल कंपनी को 20 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। मेड इन इंडिया और मेक इन इंडिया की तर्ज पर यह भारतीय कंपनी मेट्रो कोच बनाएगी। उन्होंने बताया कि यह कंपनी मेट्रो लाइट व मेट्रो के नये कोच बनाएगी। उन्होंने कहा कि जर्मन प्रौद्योगिकी के आधार पर स्टेनलेस स्टील के कोच बनेंगे। देश में अब ऐसे ही कोच वाली मेट्रो दौड़ेगी। हालांकि, ये कोच वर्तमान में चल रही मेट्रो के कोच से थोड़े छोटे होंगे, लेकिन इनकी गति पहले जैसे ही रहेगी।

एयर इंडिया के बाद स्पाइसजेट भी भरेगी अमेरिका के लिए उड़ान

बिजनेस डेस्क।

बजट एयरलाइन स्पाइसजेट अमेरिका के लिए उड़ान शुरू करेगी। स्पाइसजेट अब 'भारत की अनुसूचित विमानन कंपनियों में शामिल हो गई है। स्पाइसजेट देश की पहली बजट एयरलाइन है जो अमेरिका के लिए उड़ानों का परिचालन शुरू करने जा रही है। अभी सिर्फ राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया ही भारत-अमेरिका मार्ग पर उड़ानों का परिचालन करती है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में स्पाइसजेट ने कहा कि उसे भारत की अनुसूचित एयरलाइन के रूप में मान्यता दी गई है और वह दोनों देशों के बीच सहमति वाली सेवाओं का परिचालन कर सकेगी। कंपनी ने कहा कि वह भारत और अमेरिका के बीच हवाई सेवा करार के अनुरूप परिचालन करेगी। कोरोना वायरस महामारी की वजह से 22 मार्च से देश में अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक हवाई यात्री सेवाएं स्थगित हैं। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच परिचालन के लिए भारतीय अनुसूचित एयरलाइन का दर्जा मिलने से कंपनी अपने अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना को अधिक बेहतर तरीके से बना सकेगी।

उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से यह मानता हूं कि प्रत्येक प्रतिकूल परिस्थिति में एक अवसर होता है और मौजूदा संकट में स्पाइसजेट ने उबरते हुए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आर्थिक मामलों के सचिव ने कहा, ऋण का मौद्रिकरण फिलहाल सरकार के एजेंडा में नहीं

नयी दिल्ली।

आर्थिक मामलों के सचिव तरुण बजाज ने कहा है कि ऋण का मौद्रिकरण फिलहाल सरकार के एजेंडा में नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व संग्रह के मोर्चे पर कुछ सकारात्मक संकेत भी दिए। बजाज ने बृहस्पतिवार को उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित एक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''अभी मेरे पास कुछ गणना है। मेरे दिमाग में कुछ योजनाएं हैं। रिजर्व बैंक ने इस समय हमें सहयोग दिया है। फिलहाल मौद्रिकरण मेज पर नहीं है। केंद्रीय बैंक के साथ भी इसपर चर्चा नहीं हुई है।'' उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ रहा है। सरकार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क से भी कुछ अतिरिक्त राजस्व मिला है। आर्थिक मामलों के सचिव ने कहा कि तीन-चार महीने बाद आंकड़े हाथ में होने पर वह इस बारे में कुछ कहने की बेहतर स्थिति में होंगे। ऋण के मौद्रिकरण से सीधा अर्थ केंद्रीय बैंक द्वारा सरकार के किसी आपात खर्च तथा राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए मुद्रा की छपाई से है। वित्तीय दबाव से जूझ रही सरकार ने मई में पहले ही अपने कर्ज के लक्ष्य को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 7.8 लाख करोड़ रुपये से 12 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। बजाज ने बताया कि विनिर्माण को प्रोत्साहन के लिए सरकार ने पहले ही मोबाइल और चिकित्सा उपकरण तथा फार्मा पर उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन की घोषणा की है। सरकार निर्यात संभावना वाले चार से छह और क्षेत्रों के लिए इस योजना का विस्तार करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस संकट के समय में कृषि एक चमकता क्षेत्र है। रबी फसल का उत्पादन अच्छा रहा है और खरीफ का उत्पादन भी अच्छा रहने की उम्मीद है। बजाज ने कहा कि कृषि क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उल्लेखनीय योगदान नहीं है। लेकिन यह देश की 40 प्रतिशत आबादी का जीवनयापन करता है। आर्थिक मामलों के सचिव ने कहा, ''यदि हमें ग्रामीण इलाकों में कुछ समृद्धि दिख रही है तो इसकी वजह कृषि है। इसका कुछ प्रभाव विनिर्माण, सेवा और एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनियों की वृद्धि पर भी दिखेगा।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि देश अगले साल से फिर वृद्धि की राह पर लौटेगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज की तर्ज पर सरकार जल्द रणनीतिक क्षेत्र की सूची लेकर आएगी। और गैर-रणनीतिक क्षेत्रों की सार्वजनिक कंपनियों का निजीकरण किया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में घोषणा की थी कि रणनीतिक क्षेत्रों में अधिकतम चार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां रहेंगी।

वित्तीय उत्पादों की विस्तृत पहुंच के लिये भारत में साझेदारों के साथ काम कर रही व्हाट्सऐप

नयी दिल्ली ।

संदेश भेजने की सुविधा देने वाली कंपनी व्हाट्सऐप बीमा, सूक्ष्म ऋण और पेंशन जैसे उत्पादों तक लोगों की पहुंच आसान बनाने के लिये भारत में बैंकों व वित्तीय संस्थानों जैसे भागीदारों के साथ काम करेगी। कंपनी के भारत प्रमुख अभिजीत बोस ने'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' में कहा कि कंपनी वित्तीय उत्पादों के वितरण से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिये संभावित समाधानों का परीक्षण करने के लिये विभिन्न नयी पहलों का भी समर्थन करेगी। बोस ने कहा कि फेसबुक के स्वामित्व वाली कंपनी बैंकिंग भागीदारों के साथ उनकी डिजिटल उपस्थिति को बेहतर बनाने तथा देश के विभिन्न खंडों व भौगोलिक क्षेत्रों में वित्तीय पहुंच की गति तेज करने के लिये एक साल से अधिक समय से काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''अब हम अधिक बैंकों के साथ काम करना चाहते हैं ... इस वर्ष में बैंकिंग सेवाओं को सरल बनाने और विस्तार करने में मदद करने, विशेष रूप से ग्रामीण और निम्न आय वर्गों में विस्तृत बनाने में... हम अन्य उत्पादों के लिये अपने प्रयोगों का विस्तार करने का लक्ष्य

रखते हैं।''बोस ने कहा कि अगले 2-3 वर्षों में सामूहिक उद्देश्य असंगठित अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कम मजदूरी वाले श्रमिकों को आसानी से तीन उत्पादों - बीमा, सूक्ष्म ऋण और पेंशन तक पहुंच बनाने में मदद करने में सक्षम होना है।

रेहड़ी, पटरी लगाने वाले छोटे कारोबारी 'आत्मनिर्भर निधि' योजना के तहत ले सकेंगे 10000 रुपये का लोन

नयी दिल्ली।

रेहड़ी, पटरी लगाने वाले छोटे कारोबारी अब 'आत्मनिर्भर निधि' योजना के तहत 10,000 रुपये तक का कर्ज देशभर में फैले 3.8 लाख साझा सेवा केन्द्रों (सीएससी) केन्द्रों के जरिये ले सकेंगे। सरकार की डिजिटल और ई- गवर्नेंस सेवा इकाई सीएससी ई- गवर्नेंस सर्विसिज इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को यह कहा। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना पूरी तरह से आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित है। इस योजना के तहत रेहड़ी, पटरी और खोमचा लगाने वाले छोटे कारोबारियों को दस हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जाती है। योजना के तहत कर्ज लेने वाले इन उद्यमियों को कर्ज का नियमित रूप से भुगतान करने प्रोत्साहन भी दिया जाता है और डिजिटल लेनदेन पर पुरस्कृत भी किया जाता है। योजना से रेहड़ी पटरी वालों को औपचारिक स्वरूप मिलेगा और इस क्षेत्र के लिये नये अवसर खुलेंगे। सीएससी योजना के तहत इन छोटे कारोबारियों का पंजीकरण करने में मदद करेगी। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव संजय कुमार ने कहा कि योजना के तहत शहरी क्षेत्र के रहड़ी पटरी वालां को दस हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी उपलब्ध होगी। यह पूंजी एक साल की अवधि के लिये होगी और इसका मासिक किस्तों में भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि इस रिण के लिये कर्ज देने वाले संस्थान द्वारा कोई रहन अथवा गारंटी नहीं ली जायेगी।' सभी कारोबारियों को डिजिटल लेनदेन करना होगा, उन्हें

इसमें कैशबैक की पेशकश मिलेगी।' कुमार ने कहा कि योजना के लिये सिडबी को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है और अब तक इसकसे तहत दो लाख आवेदन प्राप्त हुये हैं जबकि 50 हजार कारोबारियों को कर्ज मंजूर किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

अगले हफ्ते हीरो ओपन के साथ यूरोपीय टूर की शुरुआत करेंगे शुभंकर

नई दिल्ली । भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा कोरोना वायरस महामारी के बाद अगले हफ्ते इंग्लैंड के बर्मिंघम में हीरो ओपन के साथ वापसी करेंगे। मंगलवार को अपना 24वां जन्मदिन मनाने वाले शुभंकर अगले हफ्ते की शुरुआत में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे जिससे कि गुरुवार से शुरू हो रहे हीरो ओपन के लिए समय पर पहुंच सके। यह टूर्नामेंट यूके स्विंग की दूसरी प्रतियोगिता होगी जिसकी शुरुआत इस हफ्ते ब्रिटिश मास्टर्स के साथ हुई। शुभंकर ने फोरेस्ट आफ आर्डेन मैरियट एवं कंट्री क्लब पर होने वाले टूर्नामेंट के संदर्भ में कहा, 'मैं छह प्रतियोगिताओं के यूके स्विंग के बाकी बचे पांच टूर्नामेंटों में खेलने को लेकर रोमांचित हूं। उन्होंने कहा, 'साल की शुरुआत में मिडल ईस्ट स्विंग में हिस्सा लेने के बाद लंबा समय बीत गया है। मेरी पिछली प्रतियोगिता मार्च के पहले हफ्ते में कतर मास्टर्स थी। शुभंकर ने कहा, 'इसके बाद विश्व गोल्फ रुक गया, हालांकि हाल में अमेरिका और अब ब्रिटेन में यह दोबारा शुरू हुआ। इसलिए अंततः घर में तैयारी और आराम के बाद टूर्नामेंट में खेलना अच्छा है।

हॉकी

हॉकी कप्तान मनप्रीत और रानी ने तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने की राह पर

नई दिल्ली।

पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और महिला टीम की कप्तान रानी की ओलंपिक को लेकर साझा करने के लिए अच्छी यादें नहीं हैं लेकिन दोनों का मानना है कि उनकी टीम ने पर्याप्त सबक सीख लिए हैं कि अगले साल होने वाले तोक्यो ओलंपिक को ऐतिहासिक सफलता की कहानी बना सकें। मनप्रीत की अगुआई वाली टीम के लिए पिछला एक साल काफी अच्छा रहा है और पुरुष टीम इस दौरान प्रदर्शन में निरंतरता लाते हुए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही जबकि एफआईएच प्रो लीग में पहली बार हिस्सा लेते हुए कुछ अच्छे नतीजे भी हासिल किए जिसमें नीदरलैंड, विश्व चैंपियन बेल्जियम और आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत शामिल है। मनप्रीत ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'पिछले साल हमारी टीम ने जिस तरह प्रदर्शन किया उसे देखते हुए हमारे पास ओलंपिक में पदक जीतने का काफी अच्छा मौका है। एक टीम के रूप में विकास करने के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा, 'हमें बस प्रक्रिया को जारी रखने पर ध्यान देना होगा और नतीजे अपने आप मिलेंगे। पुरुष टीम की तरह पिछला एक साल महिला टीम के लिए भी काफी अच्छा रहा जिसने कई टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया। महिला टीम ने एफआईएच महिला सुपर सीरीज हिरोशिमा 2019 का खिताब जीतने के अलावा जापान में ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता और ओडिशा में एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर भी जीते। इसके अलावा टीम ने स्पेन, मलेशिया, कोरिया और इंग्लैंड के अपने दौरों पर भी जीत दर्ज की। रानी ने कहा, 'हम हाल में शीर्ष टीमों के खिलाफ खेले और हमने दिखाया कि हमारी टीम में पदक जीतने और ओलंपिक में अपने देश को गौरवांवित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम प्रत्येक टूर्नामेंट के साथ बेहतर हो रही है और अगले एक साल में निश्चित तौर पर हम अपने खेल में सुधार करेंगे। तोक्यो ओलंपिक की शुरुआत में अब ठीक एक साल का समय बचा है तब दोनों कप्तानों ने ओलंपिक के अपने अनुभव साझा किए। ओलंपिक में 2012 में पदार्पण करने वाले मनप्रीत ने कहा कि लंदन खेलों में भले ही टीम अंतिम स्थान पर रही लेकिन ये खेल उनके दिल में विशेष स्थान रखते हैं। मनप्रीत ने कहा, 'मैं अब तक दो ओलंपिक का हिस्सा रहा हूं इसलिए मुझे बड़े मंच पर खेलने का अनुभव है। एक साल की उलटी गिनती शुरू होने पर खिलाड़ियों का हालांकि थोड़ा नर्वस होना लाजमी है।

पूर्व भारतीय फुटबॉलर हुसैन ने भाजपा को कहा अलविदा

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारत के पूर्व फुटबॉलर मेहताब हुसैन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन करने के 24 घंटे बाद ही राजनीति को अलविदा कहते हुए पार्टी छोड़ दी। ईस्ट बंगाल के पूर्व कप्तान मेहताब ने 21 जुलाई को बीजेपी ज्वाइन की थी। बीजेपी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने रलीधर सेन लेन स्थित दफ्तर में उन्हें बीजेपी का झंडा थमाया था। हुसैन ने अपने फैंस से माफी मांगते हुए कहा कि आज में किसी भी राजनीतिक पार्टी से नहीं जुड़ा हूं। कोलकाता मैदान में 'मिडफील्ड जनरल' के नाम से जाने जाते हुसैन ने फेसबुक पोस्ट के जरिए कहा, मुझे किसी ने भी यह फैसला लेने के लिए दवाब नहीं बनाया है। राजनीति से दूर होना पूरी तरह मेरा ही फैसला है। हुसैन ने कहा कि उन्होंने राजनीति से जुड़ने का फैसला ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने के लिए किया था। उन्होंने कहा, इस मुश्किल वक्त में, मैं अपने लोगों के साथ रहना चाहता था। लेकिन जिन लोगों की मैं सेवा करना चाहता था, उन्हीं ने कहा कि मुझे राजनीति से नहीं जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी मौमिता, बच्चे जिदान और जावी ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन नहीं किया। वे दोनों भी इस फैसले से निराश थे। इसी कारण मैं अब राजनीति से दूर हो रहा हूं।

विश्व शतरंज दिवस पर विश्वनाथन आनंद नें लिया सयुंक्त राष्ट्र के साथ बैठक मे भाग

चेन्नई । अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र और विश्व शतरंज संघ के बीच एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। शीर्ष शतरंज हस्तियों और यू.एन के प्रतिनिधियों ने सहयोग को मजबूत करने के लिए और शतरंज का इस विश्व स्तर पर सदुपयोग के लिए विचारों का आदान प्रदान किया । फिडे के अध्यक्ष अरकादी ड्वोर्कोविच ने संयुक्त राष्ट्र को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि हम दुनिया को बेहतर बनाने और बेहतर समाज बनाने के लिए शतरंज को एक उपकरण बना सकते हैं। बैठक में उपस्थित शीर्ष शतरंज ग्रैंडमास्टर्स जिसमें पूर्व विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद, हाउ ईफ़ान व्लादिमीर क्रेमनिक और लेवोन एरोनियन ने शतरंज से उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की । आनंद ने शतरंज के इतिहास के बारे मे बात की जबकि , जबकि ईफ़ान ने खेल और महिला सशक्तीकरण के मुद्दों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। क्रेमनिक ने उल्लेख किया कि वैज्ञानिक अध्ययनों ने बच्चों के लिए खेल के लाभों को साबित किया है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप शतरंज में कितने अच्छे हैं, आप खेल हारने जा रहे हैं। नकारात्मक भावनाओं से निपटने की क्षमता शतरंज से सीखी गई सबसे अच्छी चीजों में से एक है,÷ लेवॉन अरोनियन ने कहा। शतरंज के विकास के विभिन्न मुद्दों और पहलुओं पर एक दोस्ताना और सहायक वातावरण में चर्चा की गई। इस बैठक ने एफआईडीई और संयुक्त राष्ट्र के बीच और अधिक उपयोगी सहयोग की नींव रखी।

पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने कहा, विजयन की फुटबॉल की समझ शानदार

नयी दिल्ली।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी अकील अंसारी ने कहा है कि दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन को टीम के अपने साथियों के साथ हिंदी में बात करने में दिक्कत आती थी लेकिन इसकी भरपाई उन्होंने फुटबॉल की भाषा की अपनी शानदार समझ के साथ की।भारत की ओर से 1990 के दशक में कुछ मैच खेलने वाले अंसारी ने कहा कि विजयन हिंदी में बात करने को लेकर सहज नहीं थे लेकिन वह खेल को किसी से भी बेहतर पढ़ सकते हैं।अंसारी ने कहा, ''विजयन हमारे सीनियर थे और आप उनके बारे में जितना कहो उतना कम है। लेकिन उनकी हिंदी काफी अच्छी नहीं थी और कभी कभी उन्हें संवाद करते समय जूझना पड़ता था।''उन्होंने कहा, ''लेकिन उन्हें फुटबॉल की भाषा संभवतः किसी से भी बेहतर आती है और खेल को पढ़ने की उनका क्षमता असाधारण है। वह ऐसे खिलाड़ी थे जो सही समय पर सही जगह पहुंचते थे और काम को काफी आसान कर देते थे।''बाईचुंग भूटिया के आने से पहले भारतीय फुटबॉल के पोस्टर ब्वाय रहे पूर्व कप्तान विजयन गोल करने की अपनी क्षमता के कारण अपने समय से सबसे खतरनाक स्ट्राइकर में से एक थे।उनके चार मैच में चार गोल की बदौलत भारत ने पाकिस्तान में 1993 में पहले दक्षिण एशियाई फुटबॉल फेडरेशन (सैफ) कप का खिताब जीता।अंसारी ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि वह हमारे सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर थे। लाहौर में उन्होंने कड़ी मेहनत की और हमारे सबसे अहम खिलाड़ी थे।''लाहौर में सैफ कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे तेजिंदर कुमार ने कहा कि पाकिस्तानी प्रशंसकों ने भारतीय खिलाड़ियों से कहा था कि वे टूर्नामेंट जीते बिना वापस लौटेंगे।उन्होंने कहा, ''जब हम

पाकिस्तान पहुंचे तो हमारे आसपास काफी खुशनुमा चेहरे थे। हमारा भव्य स्वागत किया गया। लेकिन हवाई अड्डे पर कुछ लोग हम पर हंसे और कहने लगे 'भाईजान, स्वागत है लेकिन आप लोग हारकर लौटोगे।'''चेक गणराज्य के जिरी पेसाक के मार्गदर्शन और वीपी साथयान के नेतृत्व में खेल रही भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत विजयन और गुणबीर सिंह के गोल से श्रीलंका पर 2-0 की जीत के साथ की।पांच दिन बाद विजयन के शानदार प्रदर्शन से भारत ने नेपाल को हराया। निर्णायक मुकाबले में भारत ने मेजबान पाकिस्तान के खिलाफविजयन के अंतिम मिनटों में दागे गोल की बदौलत मैच ड्रॉ कराकर महत्वपूर्ण अंक जुटाया और 27 साल पहले आज ही के दिन सीविजयन के अंतिम मिनटों में दागे गोल की बदौलत मैच ड्रॉ कराकर महत्वपूर्ण अंक जुटाया और 27 साल पहले आज ही के दिन ट्रॉफी जीती।(यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली टी20 सीरीज पर छाए संकट के बादल, हो सकती है रद्द

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम को नवम्बर में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर जाना है जहां दोनों देशों के बीच टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज खेली जाएगी। ताजा जानकारी के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया में 14 दिन का क्वारंटाइन जरूरी है जिस कारण टी20 सीरीज पर इसका असर देखने को मिल सकता है और ये सीरीज रद्द हो सकती है। एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण ऑस्ट्रेलिया में हर जगह प्रोटोकॉल जरूरी है और इसे समझा जा सकता है। इसे लेकर कोई दूसरा रास्ता भी नहीं है। हम सभी इस महामारी में चुनौती से लड़ रहे हैं और ऐसी स्थिति में बाकी बोर्ड द्वारा सीरीज की तारीखों को लेकर चुनौतियां बढ़ी हैं। तारीखो के मुताबिक और दौरे की समय सीमा को लेकर परेशानी हो सकती है। इसकी वजह से दौरे पर खेले जाने वाले मुकाबलों की संख्या में बदलाव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज पर विचार कर रहा है। वहीं भारत को भी ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद इंग्लैंड के साथ सीरीज खेलनी है। अहमदाबाद में पिंक बॉल टेस्ट खेले जाने की तैयारी है। हमें यह देखना होगा कि बाकी के आयोजन स्थल पर काम कैसा हो रहा है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि साल के अंत तक चीजों साफ होंगी, क्योंकि इसपर सरकार के साथ मिलकर काम करना जरूरी है।

नस्लवाद पर संगकारा का बड़ा संदेश, कहा - बच्चों को पढ़ाओ वास्तविक इतिहास

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने गुरूवार को नस्लवाद के खिलाफ एक कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मूल्यों के बिना शिक्षा से भेदभाव नहीं रूकेगा। संगकारा ने कहा कि बदलाव तभी आ सकता है जब वास्तविक इतिहास की शिक्षा दी जाये और इसमें कुछ तथ्यों को छिपाया नहीं जाए। ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान पर अपने विचार रखते हुए संगकारा ने कहा, 'यह मायने नहीं रखता कि आप शिक्षित हो या नहीं। मैंने कुछ ऐसे भी कृत्य देखे हैं जिन्हें सर्वश्रेष्ठ शिक्षा पाने वाले लोगों ने किया था। उन्होंने कहा, 'अगर आपकी शिक्षा मूल्यों पर आधारित नहीं है और इसमें नैतिकता नहीं है तो आप मुश्किल में होंगे। शिक्षा आपके पक्षपात को नहीं हटा पाएगी, बल्कि यह आपको अच्छी तरह से बहस करने में मदद करेगी। संगकारा ने कहा कि नस्लवाद के विभिन्न प्रकार है और भेदभाव के लिये केवल त्वचा का रंग ही आधार नहीं होता। भेदभाव के लिये केवल त्वचा का रंग ही आधार नहीं होता। उन्होंने कहा, 'अगर आप 'ब्लैक लाइव्स मैटर (अश्वेतों का जीवन भी मायने रखता है), दुनिया में नस्लवाद और भेदभाव की बात करो तो मुझे लगता है कि सबसे अहम चीज है कि अपने बच्चों को इतिहास पढ़ाओ, जस का तस, जैसा इसे होना चाहिए, न कि इसका कोई छुपा हुआ संस्करण। हमें अच्छी, बुरी और बदसूरत चीजों पर ध्यान दिलाने की जरूरत है।

न्यूजीलैंड के क्रिकेटरों को आईपीएल में खेलने की अनुमति देने पर बोर्ड का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से अनुबंधित अपने सभी छह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र देगा (एनओसी) लेकिन बोर्ड ने साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को स्वास्थ्य सुरक्षा नियमों को लेकर स्वयं ही सतर्कता बरतनी होगी। आईपीएल में न्यूजीलैंड के जो 6 खिलाड़ी खेलेंगे उनमें किंग्स इलेवन पंजाब के जिमी नीशाम, कोलकाता नाइट राइडर्स के लॉकी फर्ग्युसन, मुंबई इंडियन्स के मिशेल मैकलेनाघन और ट्रेंट बोल्ट, सनराइजर्स हैदराबाद के केन विलियमसन और चेन्नई सुपरकिंग्स के मिशेल सेंटनर शामिल हैं। एनजेडसी के प्रवक्ता रिचर्ड बूक ने कहा, 'आईपीएल के संदर्भ में, एनजेडसी संबंधित खिलाड़ियों को एनओसी जारी कर रहा है और यह उन पर निर्भर करता है कि वे क्या फैसला करते हैं। आईपीएल का आयोजन सितंबर के अंत से नवंबर तक किए जाने की संभावना है। कोरोना वायरस महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप के रद्द होने के कारण यह विंडो बनी है। एनजेडसी अपने खिलाड़ियों को स्वास्थ्य सुरक्षा के नवीनतम नियमों और कोरोना वायरस से जुड़ी जानकारी दे रहा है और अब सतर्कता बरतने की जिम्मेदारी खिलाड़ियों की है। रिचर्ड ने कहा, 'एनओसी प्रत्येक मामले पर विचार के बाद जारी की जाती है और ऐसा बहुत कम होता है कि इससे इनकार कर दिया जाए। हालांकि सतर्कता ऐसी चीज है जो सभी संबंधित खिलाड़ियों को दिखानी होगी। हालांकि इससे जुड़े मामलों पर हम की सूचना हमें खिलाड़ियों को देने की खुशी होगी जिससे कि हम जितनी संभव हो उतनी उनकी मदद कर सकें।

लॉकी फर्ग्यूसन का दावा- तीनों प्रारूपों में दिखा सकता हूं सर्वश्रेष्ठ खेल, अब टेस्ट पर नजर

तोरंगा । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने गुरुवार को कहा कि वह देश के लिए तीनों प्रारूप खेलना चाहते हैं। फर्ग्यूसन का टेस्ट डेब्यू पिछले दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होना था लेकिन उन्हें चोट लग गई थी। 29 वर्षीय पेसर ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के साथ कीवी गेंदबाजी इकाई का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। वह न्यूजीलैंड के 2019 विश्व कप अभियान का भी हिस्सा थे जो उपविजेता बनी। लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा- 3 साल से मैं लगातार क्रिकेट खेल रहा हूं। यह इतना समझने के लिए काफी है कि मैं भविष्य में किस तरह का खिलाड़ी बनना चाहूंगा। मुझे आगे सबसे अच्छा खेलने की उम्मीद है। मैं देश के लिए सभी तीन प्रारूप खेलना चाहता हूं। बता दें कि लॉकी फर्ग्यूसन ने न्यूजीलैंड के लिए 37 वनडे और 8 टी-20 मुकाबले खेले हैं। सीमित ओवरों के प्रारूप में वह कुल 83 विकेट ले चुके हैं। लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा- मैं निश्चित रूप से टेस्ट टीम का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। निश्चित रूप से यह मेरे लक्ष्य में है। टेस्ट क्रिकेट उन प्रारूपों में से एक है जिन्हें मैं वास्तव में पसंद करता हूं। मैं कभी टी-20 और एक-दिवसीय मैचों में हल्के से नहीं दिखता हूं क्योंकि मैं आनंद लेता हूं। तीनों प्रारूपों में खेलना अभी भी मेरा लक्ष्य है और मैं तीनों में सर्वश्रेष्ठ खेल सकता हूं। स्पीडस्टर लॉकी फर्ग्यूसन इन दिनों अपने साथियों और कप्तान केन विलियमसन के साथ माउंट माउंगानुई में शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहा है। फर्ग्यूसन ने कहा-लॉकडाउन ने सभी के लिए अलग तरह से व्यवहार किया, लेकिन निश्चित रूप से यह मेरे लिए स्वाभाविक रूप से अच्छा समय था। लेकिन निश्चित रूप से यह मेरे लिए स्वाभाविक रूप से अच्छा समय था। इस दौरान मैंने अपने बीते कल के बारे में सोचा कि क्या अच्छा था और क्या बुरा।

प्रीमियर लीग : अंतिम दिन चैंपियन्स लीग के 2 स्थानों के लिए तीन टीमें दौड़ में शामिल

लीवरपूल । चेल्सी को लीवरपूल के खिलाफ प्रीमियर लीग मैच में 3-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की दौड़ दिलचस्प हो गई है। रविवार को अंतिम दौर के मुकाबलों के दौरान यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता के लिए चार में से दो स्थान दांव पर लगे होंगे। चेल्सी की टीम अगर यूरोपा लीग के लिए क्वालीफाई करने की कोशिशों में जुटी वोल्वरहैम्पटन के खिलाफ ड्रॉ भी खेलती है तो शीर्ष चार में जगह पक्की करके चैंपियन्स लीग में जगह बना लेगी। चैंपियन्स लीग के लिए दावेदारी पेश कर रही टीमें मैनचेस्टर यूनाईटेड और लीसेस्टर भी आमने सामने होंगी। सितंबर के बाद पहली बार यूनाईटेड की टीम ने शीर्ष चार में वापसी की है जबकि लीसेस्टर की टीम बाहर हो गई है। बुधवार को वेस्टहैम के खिलाफ यूनाईटेड के 1-1 से ड्रॉ के बाद अंक तालिका में में वापसी की है जबकि लीसेस्टर की टीम बाहर हो गई है। बुधवार को वेस्टहैम के खिलाफ यूनाईटेड के 1-1 से ड्रॉ के बाद अंक तालिका में यह फेरबदल हुआ। प्रीमियर लीग चैंपियन लीवरपूल और दूसरे स्थान पर चल रही मैनचेस्टर सिटी की टीम पहले ही चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई कर चुकी

लिजेंड्स ऑफ चैस-रोमांचक मुक़ाबले मे कार्लसन से हारे आनंद

नॉर्वे ।

लिजेंड्स ऑफ चेस इंटरनेशनल ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट मे लगातार दूसरे राउंड मे अच्छा खेलने के बाद भी विश्वनाथन आनंद को हार का सामना करना पड़ा है । पहले राउंड मे रूस के पीटर स्वीडलर से आनंद जीती बाजी हार गए थे तो दूसरे राउंड मे उन्होने मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को बहुत परेशान किया । दोनों के बीच हुए चार रैपिड मुकाबलों मे पहले तीन मुक़ाबले ड्रॉ रहे और अंतिम चौथे मुक़ाबले मे परिणाम कार्लसन के पक्ष मे जाने से स्कोर 2.5-1.5 रहा और आनंद को एक बार फिर 0 अंक से ही संतोष करना पड़ा जबकि कार्लसन नें लगातार दूसरे राउंड मे पूरे 3 अंक अर्जित किए । चौथे राउंड में राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन में आनंद नें अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली थी पर खेल की 24 वीं चाल में घोड़े की एक गलत चाल से उनका एक प्यादा मर गया ।

हालांकि आनंद लगातार जबाबी हमला करते रहे पर 36 वे चाल मे अपने राजा को अकेला छोड़कर हाथी की चाल चलना उन्हे भारी पड़ गया और 39 चालों में उन्हे हार स्वीकार करनी पड़ी अन्य मुकाबलों में रूस के इयान नेपोंनियची नें डींग चीन के डींग लीरेन को ,रूस के पीटर स्वीडलर नें हंगरी के पीटर लेको को ,इज़राइल के बोरिस गेलफंड नें उक्रेन के वैशली इवांचुक को तो नीदरलैंड के अनीश गिरि नें रूस के बालदिमीर क्रामनिक को मात देते हुए ।

पूरे अंक हासिल किए फिलहाल दो राउंड के बाद विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन ,रूस के पीटर स्वीडलर और बोरिस गेलफंड दो मैच के बाद 6 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है ।

कोहली से विवाद के बाद इस्तीफा देने वाले अनिल कुंबले ने कहा- कोच पद से विदाई बेहतर...

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कोच अनिल कुंबले को टीम इंडिया के मुख्य कोच पद से हटने का कोई मलाल नहीं है लेकिन उनका मानना है कि इस पद से उनकी विदाई बेहतर तरीके से हो सकती थी। पूर्व कप्तान कुंबले 2016 में भारतीय टीम के कोच बने थे लेकिन कप्तान विराट कोहली से अनबन के कारण उन्होंने जून 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को पाकिस्तान के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद ऐसी खबरें आयी थीं कि विराट ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को रिपोर्ट दी थी कि टीम के खिलाड़ी कुंबले के रवैये से असहज हैं। कुंबले ने जिम्बाब्वे के मध्यम गति के गेंदबाज एमपुमेलेलो मबांग्वा के साथ इंस्टाग्राम चैट के दौरान कहा, '2016 से 2017 तक भारतीय टीम के साथ मेरा सफर शानदार रहा। टीम ने उस एक साल में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उल्लेखनीय है कि कुंबले के कार्यकाल में ही भारतीय टीम टेस्ट में नंबर एक टीम बनी थी। भारत ने वेस्ट इंडीज को उनके घर में और न्यूजीलैंड, इंग्लैंड तथा ऑस्ट्रेलिया को घरेलू मैदान में हराया था। कुंबले के नेतृत्व में भारतीय टीम ने 17 टेस्ट मैच में से 12 मुकाबलों में जीत हासिल की थी जबकि एक मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अकेलेपन को करें एंजॉय

अकेलापन शायद ही किसी को अच्छा लगता हो, लेकिन यह भी सच ही है कि जो लोग ज्यादा सामाजिक होते हैं या फिर जिन्हें सामाजिकता से ज्यादा प्यार होता है, उनके पास अपने लिए भी वक्त नहीं होता है। लेकिन अगर आप ज्यादा सामाजिक नहीं हैं या फिर आप इससे दूर भागते हैं और अकेले हैं तो कोई बात नहीं। आप अपने अकेलेपन को भी एंजॉय कर सकते हैं। क्योंकि हर परिस्थिति हमेशा बुरी नहीं होती है। पूरी बात हमारे नजरिए पर निर्भर है कि हम क्या सोचते हैं। इसलिए अगली बार अकेलापन को सकारात्मक नजर से देखें।

सीखें खुद से प्यार करना...

जब आप अकेले रहते हैं तो आपने यह महसूस किया होगा कि आपके आस-पास कोई ?सा शख्स नहीं होता है कि जो आपको देख रहा हो। आप पूरी तरह से मुक्त होते हैं हर तरह के बंधन से। आप वो सारी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। पहले आप वो चीजें इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि लोग आपके आस-पास रहते थे। लेकिन चूंकि आप अकेले हैं तो हर वो चीज करें जिसकी आपको ख्वाहिश थी। नाचे,गाएं,मनपसंद खाना खाएं। यह थोड़ा अजीब है लेकिन इसमें मजा आएगा। आप कहीं जाएं और लोगों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें कि वो क्या करते हैं (अक्सर लोगों को लगता है कि वो जो काम कर रहें हैं उसे कोई नोटिस नहीं कर रहा है) आप पार्क में या किसी मॉल में जाइए लोगों के व्यवहार को देखिए। आप पाएंगे कि हर व्यक्ति अलग-अलग लोगों से कैसे व्यवहार करता है। इस चीज में आपको मजा आएगा लेकिन अगर नहीं आता है तो कोई बात नहीं,किसी शांत और प्रकृतिमय जगह जाएं। जहां पशुओं-पक्षियों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें,मजा आएगा।

...तो हो जाएं थोड़ा क्रिएटिव

अकेलेपन का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप लेजी हो जाएं,दिनभर सुस्ती के साथ बिस्तर पर लेटे रहें। बल्कि यही मौका होता है जब आप अपने अंदर की रचनात्मकता को निखार सकते हैं। अगर आपको कुकिंग का शौक है तो कोई डिश,जो आप रोज बनाते हैं उसे अलग तरीके से बनाइए। लिखने का शौक है तो क्यों न कुछ लिखें। अगर कोई विषय नहीं मिल रहा है तो अपने आपको केंद्रित करके भी कुछ लिख सकते हैं। तूलिका से अगर प्यार है तो आड़ी-टेढ़ी रेखाओं से ही सही कुछ तस्वीर ही खींच दें।

जा रही हैं ब्यूटी पार्लर...

आज ब्यूटी पार्लर जाना आम बात हो गई है पर कई बार हम वहां जाते तो हैं अपनी खूबसूरती में चार चांद लगवाने पर अनजाने में ढेर सारी बीमारियां साथ लेकर चले आते हैं। ब्यूटी के मामले में लापरवाही से काम लेना उचित नहीं है। जब भी पार्लर जाएं, वहां कुछ बातों का ध्यान रखें...

पेडीक्योर के समय

खतरा : फंगल इंफेक्शन, मस्से

सावधानी : पैर रखने वाले बरतन को अच्छी तरह से स्टरलाइज्ड करवाएं वरना पैरों में इंफेक्शन होने का भय रहता है। इस बात का ध्यान रखें कि क्यूटिकल स्टिक दोबारा इस्तेमाल आप पर न हो।

समाधान : पर्सनल झावां और क्यूटिकल स्टिक अपने साथ ले जाएं। ऐसे पार्लर पर जाएं जहां फ्रेश या एक ही बार इस्तेमाल की जाने वाली पेडी पैडल का उपयोग किया जाता है।

आई ब्रो बनवाते समय

खतरा : त्वचा रोग, हर्पीज

सावधानी : आई ब्रो निकालने के लिए चिमटी का इस्तेमाल किया जाता है। मामूली सी दिखने वाली चिमटी बहुत सारी बीमारियों से भरी होती है। जब ब्यूटी थेरेपिस्ट चिमटी का इस्तेमाल करे तो उससे चिमटी स्टरलाइज कर लेने को कहें, नहीं तो आप इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं।

समाधान : ब्यूटी पार्लर में यह जरूर चेक करें कि ट्रे में रखें टूल्स स्टरलाइज्ड है या नहीं। हो सके तो अपने सामने चिमटी को स्टरलाइज्ड करवाएं। चिमटी को खौलते पानी में उबाला गया है तो बेशक इसका इस्तेमाल करें। अपने साथ पर्सनल चिमटी ले जाएं।

जब फेशियल करवाएं

खतरा : इम्पेटिगो डर्माटाइटिस (त्वचा रोग)

सावधानी : कई लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए तौलिए से त्वचा में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसमें चेहरे पर सूजन या जलन हो सकती है। एक ही फेशियल प्रॉडक्ट्स को अंगुलियों में डुबोकर हर किसी के चेहरे पर लगाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

समाधान : इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिया या गाउंस साफ - सुथरी हों। दूसरों द्वारा इस्तेमाल न की गई हों। फेशियल करते वक्त थेरेपिस्ट को हाथों को अच्छे से धोने या हाथों पर दस्ताने चढ़ाने के लिए कहें। ध्यान रहे कि दस्ताने नए हों, पहले से काम में लिए न हों। थेरेपिस्ट के हाथों में घाव, सूजन या इंफेक्शन हो तो उससे फेशियल न करवाएं ताकि उसके हाथ से कीटाणु आपके शरीर में न पहुंचें।

वैक्सिंग के वक्त

खतरा : दाद, खाज या जलन

सावधानी : वैक्सिंग के वक्त जरूर चेक कर लें कि फ्रेश स्पैचुला का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं।

समाधान : पार्लर वाली से नया स्पैचुला इस्तेमाल करने को कहें। तिल, मस्से, दाद, खुजली पर वैक्स न करवाएं।

नीम की पत्तियां निखारे त्वचा

नीम की पत्तियां आपको आसानी से हर जगह मिल जाएंगी। इनका इस्तेमाल भी मुश्किल नहीं है। आपको बस करना यह होगा...

नीम की पचास पत्तियों को दो लीटर पानी में डालकर खूब उबाल लें। उस उबले पानी को ठंडा करके एक बॉटल में रख लें। रोज नहाते वक्त उस पानी की थोड़ी मात्रा नहाने वाले पानी मिलाएं। त्वचा में कोई संक्रमण नहीं होगा।

नीम के इस पानी का उपयोग आप चेहरा साफ करने के लिए भी कर सकती हैं। रात में सोने से पहले एक कॉटन बॉल को नीम के पानी में डुबोएं उसके बाद उस पानी से चेहरे को साफ करें। ?सा करने से चेहरा तो साफ होगा, साथ ही मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। नीम की छाल और जड़ भी सेहत के लिहाज से बहुत प्रभावी होते हैं। इनका पाउडर बनाकर बालों में लगाने से रूसी और जूं की समस्या नहीं होती है। क्योंकि नीम अपने आप में एक बहुत ही अच्छा एंटीबैक्टेरियल होता है।

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी?थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते?चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑफ द रिकॉर्डः सरकार ने एन-95 मास्क की कीमत से झाड़ा पल्ला

नेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस से बचाव के अहम हथियार मास्क की कीमतों को लेकर घमासान मचा हुआ है, ग्राहकों से मनमानी कीमतें वसूली जा रही हैं। महाराष्ट्र सरकार कीमतों पर अंकुश लगाने जा रही है लेकिन केंद्र सरकार ने मास्क को आवश्यक वस्तुओं की सूची से ही हटा दिया। मास्क की कीमतों पर नियंत्रण का दावा करने वाली नैशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) का रवैया भी पूरी तरह टालमटोल वाला है। उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने कहा कि फेस मास्क और हैंड सैनिटाइटर अब आवश्यक उत्पाद नहीं हैं क्योंकि उनकी आपूर्ति देश में पर्याप्त है इसलिए अब उन्हें आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के दायरे से बाहर किया गया है, वहीं मास्क विक्रेता एन95 मास्क के लिए ग्राहकों से 100 से 300 रुपए अधिक तक वसूल रहे हैं लेकिन सरकार ने कीमत से पल्ला झाड़ लिया। मास्क की कीमतों में बेतहाशा बढ़ौतरी के बाद दवाओं और सर्जिकल उपकरणों की कीमतों पर नियंत्रण करने वाले रसायन मंत्रालय के तहत काम करने वाले एन.पी.पी.ए. की ओर से मास्क उत्पादकों को इसे काबू में रखने के निर्देश दिए गए और उसके बाद दावा किया कि कीमतें 67 प्रतिशत तक कम कर ली गईं। हालांकि एन.पी.पी.ए. ने 26 जून को विभिन्न मास्क की जो कीमतें सार्वजनिक कीं उनमें से ज्यादातर के वास्तविक दाम सरकारी दावे से कहीं अधिक थे। मुम्बई की वीनस कंपनी के जिस 4200 एन95 मास्क की कीमत एन.पी.पी.ए. द्वारा 125 रुपए बताई गई, उसके लिए ई-कॉमर्स वैबसाइट अमेजॉन पर 300 रुपए से अधिक वसूले जा रहे हैं,वहीं एन.पी.पी.ए. के अनुसार, मेगनम कंपनी का जो मास्क 135 रुपए का होना चाहिए था उसके लिए ग्राहकों से 230 रुपए वसूले जा रहे हैं। इसी तरह अहमदाबाद की जैड प्लस डिस्पोजेबल की वैबसाइट पर 65 रुपए वाले मास्क की कीमत 100 रुपए बताई गई है। एन.पी.पी.ए. के अध्यक्ष से लेकर उपनिदेशक तक के अधिकारी ने मामले से पल्ला झाड़ लिया। एन.पी.पी.ए. की हैल्पलाइन पर भी भ्रामक जानकारी दी गई, कहा गया कि सरकारी कंपनियों के अतिरिक्त दूसरी सभी कंपनियों द्वारा जाली एन-95 मास्क बनाए जा रहे हैं। मास्क की कीमतों पर नियंत्रण के लिए जारी किए गए निर्देश के हवाले से सवाल किया गया तो कहा गया कि सरकारी और गैर-सरकारी खरीद की कीमतों में अंतर के चलते ये निर्देश जारी किए गए थे।

कानून के तहत आवश्यक वस्तु की श्रेणी में आने वाली वस्तुओं की कीमत में एक साल में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ौतरी नहीं की जा सकती।

राम के काम में कैसा मुहूर्तः उमा भारती

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अयोध्या में पांच अगस्त को राम मंदिर भूमि पूजन के मुहूर्त पर सवाल खड़ा करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी की फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने गुरुवार को कहा कि राम के काम में कैसा मुहूर्त। सिंह ने पांच अगस्त को अयोध्या में राममंदिर के भूमि पूजन पर सवाल उठाते हुए ट्वीट किया, मैं ज्योतिषाचार्य नहीं हूं पर इतना अवश्य जानता हूं कि श्री हरि विष्णु शयन काल में मंदिर निर्माण का मुहूर्त कोई विद्वान ब्राह्मण नहीं निकाल सकता, भगवान श्री राम हमारी आस्था के आधार हैं, इसलिए प्रत्येक कार्य विधि विधान से शास्त्र सम्मत होना चाहिए राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री भारती ने एक चैनल के साथ बातचीत में कांग्रेस पर जमकर हमला किया और कहा कि पार्टी को भगवा से दिक्कत है। कांग्रेस नफरत का जहर फैलाती है और उसने धर्म के नाम पर देश का बंटवारा किया है। पार्टी ने हमेशा देश को बांटा है। इन लोगों को देश में शांति बर्दाश्त नहीं है। भाजपा नेता ने कहा ,राम के काम में मुहूर्त कैसा। राम मंदिर के भूमि पूजन में अयोध्या जाने पर सुश्री उमा भारती ने कहा अयोध्या जाना महत्व नहीं रखता है और मंदिर बनने से अच्छा कुछ हो नहीं सकता है। अयोध्या में राम मंदिर बनना मेरे जीवन का परम सौभाग्य है और प्राण जाये लेकिन मंदिर अंजाम तक जाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की मुरीद नजर आई उमा भारती ने कहा पीएम के हाथ भूमि पूजन होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा संतों को मुहूर्त को लेकर बात नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमलावर भाजपा नेता ने कहा कि दोनों अपना अस्तित्व खो चुके हैं। गौरतलब है कि रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान श्री पवार ने राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने की प्रस्तावित तिथि के बारे में मीडिया के सवाल पर कहा था कि कुछ लोगों को लगता है कि मंदिर बनाने से कोरोना वायरस महामारी का उन्मूलन करने में मदद मिलेगी। गांधी कोरोना, चीन और अर्थव्यवस्था जैसे मामलों पर ट्विटर के जरिये प्रधानमंत्री पर लगातार हमलावर बने हुए हैं। बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले की मुख्य आरोपियों में से एक उमा भारती ने हाल ही में इस मुकदमे में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए।

2 साल में भारत की 60-70 प्रतिशत आबादी को ही लग पाएगी वैक्सीन

नेशनल डेस्क। एक तरफ भारत ऑक्सफोर्ड की कोविड-19 के खिलाफ बनाई गई कैंडीडेट वैक्सीन के ट्रायल के लिए देश में स्थलों का निर्धारण कर रहा है, लेकिन विशेषज्ञों की राय है कि देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत अच्छी आदर्श स्थिति की कल्पना करें तो भी दो साल में 60 से 70 प्रतिशत आबादी को ही यह टीका लगाया जा सकेगा। प्रोटोकॉल के अनुसार संक्रमण के विरुद्ध देश में सामुदायिक प्रतिरोधक क्षमता के लिए कम से कम 60 से 70 प्रतिशत आबादी को यह वैक्सीनेशन देना जरूरी है। मैक्स हैल्थ केयर के डॉ. संदीप बुद्धिराजा का कहना है कि यदि हमें दिसम्बर तक टीका मिल जाता है तो देश की 60 प्रतिशत आबादी को कवर करने में हमें कम से कम डेढ़ साल लगेंगे। उन्होंने कहा कि देश को उसी तरह कोविड वायरस के साथ रहना होगा, जैसे हम ट्यूबरक्लोसिस जैसे रोगों के साथ रहते हैं। मैडीकल विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत में सबको टीका लगाना एक बड़ी चुनौती है। दिल्ली-एन.सी.आर. में कोविड को समर्पित अस्पतालों को चलाने वाले आकाश हैल्थकेयर के डॉ. आशीष चौधरी कहते हैं कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार भरसक प्रयासों के बावजूद 2 साल के बच्चों के अनिवार्य टीकाकरण अभियान में 60 प्रतिशत से कुछ अधिक बच्चों का टीकाकरण हो पाया। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि हरेक को कोविड का टीका लगाने की चुनौती कैसी होगी।

लद्दाख में चीन ने फिर फंसाया पेंच, गोगरा पोस्ट से पीछे हटने से किया इंकारः टीवी रिपोर्ट्स

नेशनल डेस्क। चीन ने एक बार फिर से पूर्वी लद्दाख में अड़ंगा डाल रहा है। टीवी रिपोर्ट्स के मुताबिक जनरल कोर बैठक के बाद चीन ने पेंगान्ग और गोगरा पोस्ट से पीछे हटने से इंकार कर दिया है। हालांकि चीन ने हॉट स्प्रिंग्स से पीछे हटने के संकेत दिए हैं। चीन की हरकतें इसी ओर इशारा कर रही हैं कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (ꭊ) पर स्थिति सामान्य करने को तैयार नहीं है। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना द्वारा उसके हिस्से के क्षेत्र में करीब 40 हजार सैनिकों की तैनाती इसी ओर इशारा कर रही है। सूत्रों के मुताबिक दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक वार्ताओं में जिन शर्तों पर सैनिकों को कम करने की सहमति बनी थी, चीन उनका भी पालन नहीं कर रहा है। चीन ने हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट एरिया में भी बड़े स्तर पर निर्माण किया है। ये दोनों क्षेत्र पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच होने वाले गतिरोध के प्रमुख क्षेत्र हैं। चीन गोगरा पोस्ट से हटने को तैयार नहीं हैं। बता दें कि एक महीने से भी ज्यादा समय से पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच तनाव चल रहा है।चीनी सैनिक पीछे हटी भी लेकिन पूरी चीनी सैनिक पीछे हटी भी लेकिन पूरी तरह से नहीं। इसके साथ ही चीन ने सीमा पर अपने सैनिकों की संख्या भी नहीं घटाई है।

चांदनी चौक के निरीक्षण के बाद बोले- केजरीवाल, मोटर व्हीकल के प्रवेश पर लगाएंगे बैन

नई दिल्ली/डेस्क।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चांदनी चौक में हो रहे सड़क के पुनर्विकास के काम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस स्थान का एतिहासिक सौंदर्य बना रहेगा। क्षेत्र को सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक गैर-मोटर चालित वाहन क्षेत्र के रूप में घोषित किया जाएगा। लालकिला से भाई मतिदास चौक तक जिसकी लंबाई लगभग 450 मीटर है रोड बनकर तैयार है। भाई मतिदास चौक से आगे फतेहपुरी मस्जिद तक रीडेवलपमेंट का काम सितंबर तक पूरा करने की समय सीमा तय की गई है। ये काम जैसे ही पूरा होता है उसके बाद यहां पर किसी को भी गाड़ी लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष और रीडेवलपमेंट कमेटी के सदस्य संजय भार्गव ने बताया कि रोड के दोनों तरफ करीब 5.5 मीटर चौड़ा फुटपाथ पैदल चलने वाले लोगों के लिए बनाया गया है। वहीं रिक्शा वालों के लिए 5.5 मीटर की जगह छोड़ी गई है। केवल रजिस्टर्ड रिक्शा यहां पर चल सकेंगी,

जिनकी संख्या भी निर्धारित की जाएगी। भार्गव ने ये भी बताया कि इस सड़क को एमसीडी पेडिस्ट्रियन नोटिफाई करेगी। जिसके बाद से यहां पर मोटर वाहनों का प्रवेश निषेध होगा। इसके बाद भी अगर कोई यहां गाड़ी लेकर आता है तो पहली बार में उसे 500 रुपये का जुर्माना देना होगा।

इसके बाद दोबारा गाड़ी लाने पर नए मोटर कीकल एक्ट-2019 के तहत 15 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा।

गुजरात सरकार के फीस नहीं लेने के आदेश के बाद स्कूलों ने बंद की ऑनलाइन क्लासेस

नेशनल डेस्क।

गुजरात में कई प्राइवेट स्कूलों ने गुरुवार से ऑनलाइन क्लासेस अनिश्चित काल के लिए रोक दी हैं। ऐसा राज्य सरकार के उस आदेश के बाद किया गया है जिसमें कहा गया था कि जब तक स्कूल फिर से खुल न जाएं, उन्हें छात्रों से फीस नहीं लेनी चाहिए। पिछले हफ्ते जारी एक अधिसूचना में गुजरात सरकार ने कोरोना वायरस के मद्देनजर स्कूल बंद रहने तक सेल्फ फाइनेंस्ड स्कूलों को छात्रों से ट्यूशन शुल्क नहीं लेने का निर्देश दिया था। इसके अलावा शैक्षणिक सत्र 2020-21 में स्कूलों को शुल्क में बढोतरी करने से भी मना किया गया है। इस कदम से नाखुश गुजरात के लगभग 15,000 सेल्फ फाइनेंस्ड स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक यूनियन ने ऑनलाइन कक्षाएं रोकने का फैसला किया है। सेल्फ फाइनेंस्ड स्कूल प्रबंधन संघ के प्रवक्ता दीपक राज्यगुरु ने गुरुवार को कहा कि राज्य के लगभग सभी सेल्फ फाइनेंस्ड स्कूल ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार का मानना है कि ऑनलाइन शिक्षा वास्तविक शिक्षा नहीं है, तो हमारे छात्रों को ऐसी शिक्षा देने का कोई मतलब नहीं है। ऑनलाइन शिक्षा तब तक निलंबित रहेगी, जब तक सरकार इस आदेश को वापस नहीं लेती है।

कोरोना से निपटने के लिए भारत दे रहा अहम् योगदान, अमेरिका सहित 100 देशों की मदद की : राजदूत संधू

वाशिंगटन।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि कोरोना काल से निपटने के लिए भारत विश्व में अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भरोसेमंद साझेदार रहा है और उसने अमेरिका सहित 100 से अधिक देशों को कोरोना वायरस सक्रमण से जुड़ी दवाइयां और चिकित्सकीय साजो सामान मुहैया कराए हैं। अमेरिका भारत व्यवसाय परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक 'भारत विचार शिखर सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए संधू ने बुधवार को कहा कि प्रत्येक संकट अपने आप को नए अवसर के साथ पेश करता है। उन्होंने कहा कि महामारी ने दुनिया को लचीले और विश्वसनीय साझेदारों की जरूरत का एहसास करा दिया है, जो अनिश्चितताओं और आघात का सामना कर सकें। संधू ने कहा,'' भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भरोसेमंद साझेदार रहा है। जरूरत पड़ने पर हम आगे आए और अमेरिका सहित सौ से अधिक देशों को कोविड संबंधी दवाओं तथा चिकित्सकीय साजो सामान की आपूर्ति की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अहम संबोधन के ठीक बाद संधू ने सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच स्वास्थ्य, टीका विकास, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष जैसे क्षेत्रों में विस्तारित सहयोग रहे हैं।

उन्होंने कहा,'' हम एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ अभ्यास से सीख रहे हैं। मेरा दृढ़ता से मानना है कि प्रौद्योगिकी कोविड के दौरान और कोविड से उबरने के बाद की दुनिया में एक अहम भूमिका निभाएगी। यह पहले ही काम, शिक्षा, व्यवसाय, स्वास्थ्य देखभाल और यहां तक कि कूटनीति में भी नवोन्मेषी समाधान प्रदान कर रहा है।

एक साल में 18 सरकारी बैंकों के साथ अरबों की धोखाधड़ी, एसबीआई सबसे बड़ा शिकार

बिजनेस डेस्क।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में सार्वजनिक क्षेत्र के तत्कालीन 18 बैंकों द्वारा कुल 1,48,427.65 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के 12,461 मामले सूचित किये गये हैं। प्रदेश के नीमच निवासी सूचना के अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने बताया कि रिजर्व बैंक ने उन्हें आरटीआई के तहत यह जानकारी दी है। आरटीआई से मिले आंकड़ों पर गौर करें, तो पिछले वित्त वर्ष में धोखाधड़ी का सबसे बड़ा शिकार सरकारी क्षेत्र का शीर्ष बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) बना। एसबीआई द्वारा इस अवधि के दौरान 44,612.93 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े 6,964 मामले सूचित किये गये। यह रकम बीते वित्त वर्ष के दौरान 18 सरकारी बैंकों में धोखाधड़ी की जद में आयी कुल धनराशि का करीब 30 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक द्वारा एक अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि में धोखाधड़ी के 395 मामले सूचित किये गये जिसमें 15,354 करोड़ रुपये की धनराशि शामिल है। इस फेहरिस्त में तीसरे स्थान पर बैंक ऑफ बड़ौदा रहा जिसमें 349 मामलों के साथ 12,586.68 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी सामने आयी। गौरतलब है कि बैंक ऑफ बड़ौदा में विजया बैंक और देना बैंक का विलय एक अप्रैल, 2019 से अमल में आया था। आलोच्य अवधि के दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 424 मामलों में 9,316.80 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ इंडिया ने 200 मामलों में 8,069.14 करोड़ रुपये, केनरा बैंक ने 208 मामलों में 7,519.30 करोड़ रुपये, इंडियन ओवरसीज बैंक ने 207 मामलों में 7,275.48 करोड़ रुपये, इलाहाबाद बैंक ने 896 मामलों में 6,973.90 करोड़ रुपये और यूको बैंक ने 119 मामलों में 5,384.53 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की सूचना दी। रिजर्व बैंक ने सूचना के अधिकार के तहत बताया कि एक अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि में ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने 329 मामलों में 5,340.87 करोड़ रुपये, सिंडिकेट बैंक ने 438 मामलों में 4,999.03 करोड़ रुपये, कॉरपोशन बैंक ने 125 मामलों में 4,816.60 करोड़ रुपये, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 900 मामलों में 3,993.82 करोड़ रुपये, आंध्रा बैंक ने 115 मामलों में 3,462.32 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 413 मामलों में 3,391.13 करोड़ रुपये, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया ने 87 मामलों में 2,679.72 करोड़ रुपये, इंडियन बैंक ने 225 मामलों में 2,254.11 करोड़ रुपये और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 67 मामलों में 397.28 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की जानकारी दी। बहरहाल, रिजर्व बैंक की ओर से आरटीआई के तहत मुहैया करायी गयी जानकारी में बैंकिंग धोखाधड़ी के मामलों की प्रकृति और छल के शिकार उनके ग्राहकों को हुए नुकसान का विशिष्ट ब्योरा नहीं दिया गया है। गौरतलब है कि गुजरे बरसों में सिलसिलेवार एकीकरण के बाद देश में सरकारी क्षेत्र के बैंकों की संख्या फिलहाल 12 रह गयी है।

मजबूर पिता को बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बेचनी पड़ी गाय, न जाने अब कैसे होगा घर का गुजारा

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना संकट के कारण सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं, ऐसे में बच्चों की पढ़ाई खराब न हो इसलिए ऑनलाइन क्लासेस लगाई जा रही है। बच्चों की ऑनलाइन क्लास लगाने के लिए माता-पिता को काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। सबसे ज्यादा परेशानी उनको हो रही है जिनके घरों में स्मार्टफोन नहीं है। ऐसे ही एक पिता ने घर की गाय बेच दी ताकि बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई कर सकें। पिता ने गाय बेचकर बच्चों को स्मार्टफोन लाकर तो दे दिया लेकिन ब वह यह नहीं जानता कि घर कैसे चलेगा। हिमाचल प्रदेश के पालमपुर जिले के ज्वालामुखी स्थित गुम्मेर गांव के रहने वाले कुलदीप कुमार के पास यही इकलौती गाय थी और घर का खर्चा इसी से चलता था। कुलदीप ने बताया कि मार्च से लगे लॉकडाउन के बाद से स्कूल बंद हैं और तभी से बच्चे घर पर हैं। बच्चों की ऑनलाइन क्लासेस लग रही थी लेकिन घर में स्मार्टफोन नहीं था। कुलदीप के दो बच्चे एक और दूसरा 2ठुस्त्र में पढ़ता है। बच्चों की ऑनलाइन क्लासें शुरू हुईं तो कुलदीप पर दबाव बनने लगा स्मार्टफोन खरीदने का, ताकि बच्चे पढ़ाई जारी रख सकें। कुलदीप ने गांव में कई लोगों से 6000 रुपए उधार मांगे लेकिन किसी ने भी मदद नहीं की। वो बैंक भी गया लेकिन उसकी गरीबी देखते हुए उसे किसी ने 6 हजार रुपए का लोन नहीं दिया। जब किसी से मदद नहीं मिली तो उसने अपनी गाय 6000 रुपए में बेच दी और उन पैसों से वह बच्चों के लिए स्मार्टफोन लेकर आया। कुलदीप के पास न तो बीपीएल कार्ड है न ही वह आईआरडीपी का लाभ लेता है। उसने कई बार पंचायत में कहा कि उसका नाम बीपीएल, कि उसका नाम बीपीएल, आईआरडीपी और अंत्योदय योजना में जोड़ा लेकिन यहां भी किसी ने नहीं सुनी।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर शिलान्यास पर बढ़ी तकरार, जगद्गुरु शंकराचार्य ने भूमिपूजन के मुहूर्त को बताया अशुभ

भोपाल। राममंदिर भूमिपूजन के मुहूर्त को लेकर धार्मिक गुरुओं में तकरार शुरु हो गई है। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती ने 5 अगस्त को होने वाले भूमि पूजन के मुहूर्त को अशुभ बताया है। उन्होंने कहा कि भाद्रपर में किया गया कोई भी शुभ कार्य विनाशकारी होता है। हालांकि, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्ताराधिकारी महंत कमल नयन दास ने इस आशंका को सिरे से नकार दिया है। महंत कमल नयन ने कहा कि मंदिर का शिलान्यास तो 1989 में कामेश्वर चौपाल ने कर दिया है। अब प्रधानमंत्री को केवल आधारशिला रखकर निर्माण का शुभारंभ करना है। संत भी यही चाहते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अगस्त दोपहर 12 बजकर 15 मिनट के 32 सेकेंड पर नींव में ईंट रखेंगे। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती ने कहा कि हम राम भक्त हैं। मंदिर कोई भी बनाए, हमें खुशी होगी। मंदिर निर्माण के लिए शुभ तिथि और शुभ मुहूर्त होना चाहिए। अगर मंदिर जनता के पैसे से बनना है तो जनता से राय लेनी चाहिए। मंदिर निर्माण के लिए शताब्दियों से आंदोलन चला आ रहा है। मैं खुद कई बार जेल गया। शिलान्यास के लिए अशुभ समय क्यों चुना गया, यह समझ से परे है। राममंदिर निर्माण को लेकर स्वरूपानंद सरस्वती ने सलाह देते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर की तर्ज पर होना चाहिए। क्योंकि मंदिर एक बार ही बनना है इसलिए इसका निर्माण भी भव्य होना चाहिए। वहीं इन सारी बातों को संत समाज में तकरार शुरु हो गई है। इस बयानबाजी पर अयोध्या के संत समाज ने स्वरूपानंद को चुनौती दे डाली है कि वे शास्त्रार्थ ज्ञान 5 अगस्त को आकर सिद्ध करें।

बेहद खूबसूरत है योग नगरी ऋषिकेश का पहला रेलवे स्टेशन

नेशनल डेस्क। कोविड-19 की महामारी के बाद भारतीय रेलवे की परियोजनाओं पर कामकाज तेज हो गया है। ऋषिकेश में नवनिर्मित वीरभद्र-ऋषिकेश सेक्शन शुरू हो गया है और विश्व-स्तरीय सुविधाओं वाला एक नया रेलवे स्टेशन योगनगरी बनकर तैयार हो गया है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इस स्टेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो ट्विटर पर सांझा की है, जिसकी सुंदरता देखते ही बनती है। रेल मंत्री ने लिखा कि 125 किलोमीटर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के अधीन अपनी अलौकिक सुंदरता से मंत्रमुग्ध करता नव-निर्मित योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन। चारों तरफ सुंदर पहाड़ियों के बीच बने इस स्टेशन की अलौकिक सुंदरता ने मंत्रमुग्ध कर दिया है। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी अपने ट्वीटर अकाउंट से ऋषिकेश रेलवे स्टेशन की तस्वीरें साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेलवे लाइन परियोजना के पहले स्टेशन, योगनगरी ऋषिकेश की पहली तस्वीरें साझा करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। रेलवे ने 125 किलोमीटर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना का काम तेज कर दिया है, जिसके 2024-25 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग के बीच बन रही इस रेलवे लाइन में कुल 12 रेलवे स्टेशन बनेंगे. .ये 12 स्टेशन- वीरभद्र, ऋषिकेश, शिवपुरी, ब्यास, देवप्रयाग, श्रीनगर, मलेथा, धारी देवी, घोलतीर, गौचर और कर्णप्रयाग है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग के बीच 125 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाई जा रही है।

शराब को लेकर सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा, कोर्ट बोला- गैरजरूरी चीज पर क्यों दे आदेश?

नेशनल डेस्क। सुप्रीम कोर्ट ने शराब की होम डिलीवरी मामले में दायर याचिका को ठुकरा दिया। कोर्ट ने सुनवाई करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि शराब आवश्यक चीज नहीं

है, इसलिए हमें इस पर कोई जरूरी आदेश क्यों दें? दरअसल महाराष्ट्र वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन की तरफ से यह चाचिका दायर की गई थी। याचिका में लॉकडाउन के बीच खोली गई शराब की दुकानों को फिर से बंद कराने की मांग करते कहा गया कि दुकानों में सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियम और बाकी मानदंडों का पालन नहीं किया जा रहा है, इसलिए दुकानें फिर से बंद करने का आदेश दिया जाए। इस याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि हम राज्य सरकारों को किसी तरह का आदेश नहीं दे सकते लेकिन सरकारों को होम डिलीवरी या डायरेक्ट बिक्री जैसी व्यवस्थाओं पर विचार करना चाहिए।

बीजेपी को बड़ा झटका, पूर्व मंत्री के एल अग्रवाल कांग्रेस में हुए शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव से पहले दल बदल का दौर जारी है। गुरुवार को भाजपा नेता के एल अग्रवाल ने भाजपा को बड़ा झटका देते

हुए हाथ का साथ थाम लिया है। बताया जा रहा है कि के एल अग्रवाल को महेंद्र सिंह सिसोदिया के ख़िलाफ़ बमोरी से चुनावी मैदान में उतारा जाएगा। मध्य प्रदेश में आने वाले कुछ दिनों में विधानसभा की 26 सीटों पर उपचुनाव होना तय है। इससे पहले बहुत से नेता दल बदल रहे हैं। बता दें कि केल एल अग्रवाल पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस के संपर्क में थे। उन्होंने पहले ही साफ कर दिया था कि अगर उपचुनाव में कांग्रेस टिकट देती है, तो वह बमोरी से चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले बड़े उलट फेर के साथ जब ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में कांग्रेस के मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था तो बमोरी की सीट खाली हो गई थी जिस पर अब उपचुनाव होना है। बमोरी की सीट खाली हो गई थी जिस पर अब उपचुनाव होना है। अब के एल अग्रवाल के कांग्रेस में जाने से तय है कि उन्हें महेंद्र सिंह सिसोदिया के ख़िलाफ बमोरी से चुनावी मैदान में उतारा जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी सदन में कैपिटोल से दासता के प्रतीक हटाने वाला विधेयक पारित

वाशिंगटन।

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने यूएस कैपिटोल से रॉबर्ट ई ली और दासता के प्रतीक वाली अन्य प्रतिमाओं को हटाने वाले विधेयक को पारित कर दिया है। इन प्रतिमाओं में मुख्य न्यायाधीश रोगर बी टैनी की आवक्ष प्रतिमा भी शामिल हैं। 1857 में ड्रेड स्कॉट मामले में फैसला देने वाले न्यायाधीश ने कहा था कि अफ्रीकी अमेरिकी नागरिक नहीं हो सकते। इसके अलावा इस विधेयक में दासता के प्रतीक वाले अधिकारियों को सम्मानित करने वाली कम से कम दस प्रतिमाओं को हटाने का प्रावधान है। सदन में बहुमत के नेता स्टेनी होयर ने सदन में मतदान से पहले कहा, ''राजद्रोह, गुलामी, अलगाववाद और श्वेत वर्चस्ववाद के बचावकर्ताओं का आजादी के इस मंदिर में कोई स्थान नहीं है। सदन ने 113 के मुकाबले 305 मतों से यह विधेयक पारित कर दिया। अब यह विधेयक रिपब्लिकन के नियंत्रण वाली सीनेट में जाएगा। अगर यह विधेयक दोनों सदनों में पारित हो जाता है तो इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की जरूरत पड़ेगी और डोनाल्ड ट्रंप ने देश में कहीं भी ऐतिहासिक प्रतिमाओं को हटाने का विरोध किया है। ट्रंप ने मिनियापोलिस में जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद नस्लीय अन्याय और पुलिस अत्याचारों को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान प्रतिमाओं को गिराने वाले लोगों की कड़ी निंदा की थी।

हांगकांग के लोगों को नागरिकता देगा ब्रिटेन, वीजा संस्कृति बदलने का भी किया वादा

लंदन।

ब्रिटेन में लंदन स्थित चीनी दूतावास ने ब्रिटिश गृहमंत्री प्रीति पटेल के हांगकांग के लोगों को ब्रिटेन की नागरिकता से संबंधित ऐलान पर चीन तिलमिला उठा है। चीन ने ब्रेटिन के इस फैसले को उसके आंतरिक मामलों में दखल बताया है। प्रीति पटेल ने बुधवार को कहा था कि हांगकांग के वो निवासी, जिनके पास ब्रिटेन का ओवरसीज वीजा है, अगले साल जनवरी से ब्रिटेन की नागरिकता हासिल करने के योग्य माने जाएंगे। ब्रिटेन के इस बयान के बाद चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन के दूतावास से जारी बयान में बीजिंग ने कहा है कि अगर ब्रिटेन ने ये फैसला नहीं बदला तो वो उन्हे चीन की कड़ी प्रतिक्रिया के लिए तैयार रहना चाहिए। चीनी अधिकारी के मुताबिक इस फैसले का ऐलान करके ब्रिटेन अपने ही किए गए वायदे से मुकरा है, जिससे न सिर्फ दोनो देशों के बीच तनाव बढ़ेगा,बल्कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर भी इसका असर पड़ेगा। इसके अलावा गृह मंत्री प्रीति पटेल ने मंगलवार को विंड्रश कांड से सबक लेकर अपने विभाग की वीजा संस्कृति बदलने का वादा किया। विंड्रश कांड में राष्ट्रमंडल देशों के हजारों कानूनी प्रवासियों को गलत तरीके से ब्रिटेन में निवास के अधिकार से वंचित कर दिया गया था। नए नियमों के तहत गृह विभाग में काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि वे देश में प्रवास और नस्लवाद के इतिहास को समझ सकें। गृह विभाग में काम करने वाले प्रत्येक वर्तमान और नए सदस्य को प्रशिक्षण हासिल करना जरूरी होगा। प्रीति

पटेल ने कहा, वह चाहती हैं कि विंड्रश पीढ़ी के मन में इस बात का कोई संदेह न रहे, वह विभाग की संस्कृति में सुधार करेंगी ताकि यह सभी समुदायों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सके। विंड्रश पीढ़ी का आशय पूर्व ब्रिटिश उपनिवेशों के उन नागरिकों से है जो 1973 से पहले ब्रिटेन आ गए थे।

अमेरिकी सदन ने कैपिटोल से दासता के प्रतीकों को हटाने वाला विधेयक किया पारित

वाशिंगटन।

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने यूएस कैपिटोल से रॉबर्ट ई ली और दासता के प्रतीक वाली अन्य प्रतिमाओं को हटाने वाले विधेयक को पारित कर दिया है। इन प्रतिमाओं में मुख्य न्यायाधीश रोगर बी टैनी की आवक्ष प्रतिमा भी शामिल हैं। 1857 में ड्रेड स्कॉट मामले में फैसला देने वाले न्यायाधीश ने कहा था कि अफ्रीकी अमेरिकी नागरिक नहीं हो सकते। इसके अलावा इस विधेयक में दासता के प्रतीक वाले अधिकारियों को सम्मानित करने वाली कम से कम दस प्रतिमाओं को हटाने का प्रावधान है। सदन में बहुमत के नेता स्टेनी होयर ने सदन में मतदान से पहले कहा, ''राजद्रोह, गुलामी, अलगाववाद और श्वेत वर्चस्ववाद के बचावकर्ताओं का आजादी के इस मंदिर में कोई स्थान नहीं है।'' सदन ने 113 के मुकाबले 305 मतों से यह विधेयक पारित कर दिया। अब यह विधेयक रिपब्लिकन के नियंत्रण वाली सीनेट में जाएगा। मतदान से पहले कहा, ''राजद्रोह, गुलामी, अलगाववाद और श्वेत वर्चस्ववाद के बचावकर्ताओं का आजादी के इस मंदिर में कोई स्थान नहीं है।'' सदन ने 113 के मुकाबले 305 मतों से यह विधेयक पारित कर दिया।

तो इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की जरूरत पड़ेगी और डोनाल्ड ट्रंप ने देश में कहीं भी ऐतिहासिक प्रतिमाओं को हटाने का विरोध किया है। ट्रंप ने मिनियापोलिस में जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद नस्लीय अन्याय और पुलिस अत्याचारों को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान प्रतिमाओं को गिराने वाले लोगों की कड़ी निंदा की थी।

चीन ने मंगल अभियान के तहत पहला यान प्रक्षेपित किया

बीजिंग।

चीन ने मंगल ग्रह के बारे में जानकारी जुटाने के उद्देश्य से हैनान द्वीप के वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण केंद्र से बृहस्पतिवार को अपना पहला यान प्रक्षेपित किया। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी चीन की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी (सीएनएसए) के अनुसार ऑर्बिटर और रोवर के साथ गए अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपण के 36 मिनट बाद पृथ्वी-मंगल स्थानांतरण कक्षा में भेज दिया गया। 'तियानवेन-1' नामक यान मंगल ग्रह का चक्कर लगाने, मंगल पर उतरने और वहां रोवर की चहलकदमी के उद्देश्य से प्रक्षेपित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यान मंगल ग्रह की मिट्टी, चट्टानों की संरचना, पर्यावरण, वातावरण और जल के बारे में जानकारी एकत्रित करेगा। देश के सबसे बड़े और सर्वाधिक शक्तिशाली रॉकेट लांग मार्च-5 की सहायता से रोबोटिक प्रोब को पृथ्वी-मंगल स्थानांतरण पथ पर भेजा जाएगा जिसके बाद यान मंगल के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र के प्रभाव में स्वतः अपनी यात्रा शुरू करेगा। चीन की सरकारी अंतरिक्ष कंपनी 'चाइना एरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्प' के अनुसार यान सात महीने तक यात्रा करने के बाद मंगल पर पहुंचेगा। कंपनी ने कहा कि यान के तीन भाग- ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर मंगल की कक्षा में पहुंचने के बाद अलग हो जाएंगे। ऑर्बिटर लाल ग्रह की कक्षा में चक्कर लगाकर जानकारी जुटाएगा जबकि लैंडर और रोवर मंगल की सतह पर उतरकर वैज्ञानिक अनुसंधान करेंगे। भारत, अमेरिका, रूस और यूरोपीय संघ के बाद चीन भी मंगल पर यान भेजने वाला अगला देश बनना चाहता है। पिछली बार चीन ने 2011 में रूस के साथ मिलकर मंगल ग्रह पर यान भेजने की असफल कोशिश की थी। यह मिशन प्रक्षेपण के कुछ देर बाद ही विफल हो गया था। भारत ने 2014 में अपने पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुंचकर इतिहास रच दिया था।

भारत को छोड़कर कोई अन्य देश अपने पहले ही प्रयास में लाल ग्रह पर पहुंचने में सफल नहीं हो पाया।भारत ने 2014 में अपने पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुंचकर इतिहास रच दिया था। भारत को छोड़कर कोई अन्य देश अपने पहले ही प्रयास में लाल ग्रह पर पहुंचने में सफल नहीं हो पाया।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में स्वागत समारोह पर सरकारी हवाई हमला, कम से कम 14 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में सरकार के हवाई हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। इस हमले में अपने परिवार के तीन सदस्यों को खोने वाली प्रत्यक्षदर्शी नूर रहमती ने बताया कि हेरात के अद्रास्कन जिले में जेल से रिहा हुए तालिबान के एक पूर्व लड़ाके का स्वागत करने के लिए सैकड़ों लोग एकत्रित हुए थे जब एक हवाई जहाज ने लोगों पर हमला किया। सरकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक दिन पहले हुए हवाई हमले की जांच की जा रही है। अमेरिका और तालिबान के बीच हुए शांति समझौते के दूसरे और अहम चरण के तहत अंतर अफगान वार्ता आगे बढ़ाने के मकसद से कैदियों की रिहाई के तौर पर गुलाम नबी को रिहा किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब यह हमला हुआ तब जिले के बुजुर्ग और शुभचिंतक नबी का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। हमले में नबी का नौ साल का बेटा भी घायल हो गया।

पाकिस्तान में कोविड-19 के 1,763 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,763 मामले सामने आए जिसके बाद देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,69,191 हो गई। पिछले 24 घंटों में इस संक्रमण के कारण 32 और मरीजों की मौत हो गई। संक्रमण के कुल मामलों में से 213,175 मरीज ठीक हो चुके हैं और इस महामारी से 5,709 मरीजों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय के अनुसार सिंध में संक्रमण के 1,15,213 मामले, पंजाब में 91,129, खैबर पख्तूनख्वा में 32,753, इस्लामाबाद में 14,722, बलूचिस्तान में 11,517, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 1,961 और गिलगित बल्तिस्तान में 1,896 मामले सामने आ चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्राधिकारियों ने पिछले चौबीस घंटे में 22,408 नमूनों की कोरोना वायरस जांच की और अब तक कुल 1,799,290 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद कर रहे क्षमा प्रदान करने की राष्ट्रपति की शक्ति पर रोक लगाने का प्रयास

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक सांसद बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास मौजूद क्षमा प्रदान करने की शक्ति पर रोक लगाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा मित्रों और परिवार के सदस्यों को माफी देने तथा राष्ट्रपतियों के खुद को क्षमा प्रदान करने जैसे कदमों को हतोत्साहित करने के लिए दो विधेयक पेश किए हैं। हालांकि, विधेयकों के रिपब्लिकन नीत सीनेट में पारित होने की संभावना नहीं है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों का कहना है कि यह कदम इसलिए आवश्यक है क्योंकि ट्रंप ने लंबे समय तक अपने विश्वासपात्र रहे रोगर स्टोन सहित अपने सहयोगियों की मदद के लिए क्षमा प्रदान करने की शक्ति का दुरुपयोग किया है। ट्रंप ने रूस से संबंधित जांच के मामले में इस महीने स्टोन की सजा में कमी कर दी थी जिसे डेमोक्रेट्स ने न्यायिक प्रक्रिया में दखल करार दिया है। प्रतिनिधि सभा की न्यायिक समिति दो विधेयकों और उस संशोधन पर मतदान करेगी जिनमें ट्रंप या भविष्य के राष्ट्रपतियों को क्षमा प्रदान करने की शक्ति का दुरुपयोग करने से रोकने की बात कही गई है।

इस देश में मास्क न पहनने पर 3 माह की सख्त सजा का ऐलान, मच गई खलबली

प्योंगप्यांग।

कोरोना वायरस के प्रकोप से पूरी दुनिया बेहाल है। महामारी के खौफ से जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब मास्क में नजर आने लगे हैं वहीं उत्तर कोरिया के सनकी किंग किम जोंग उन भी घबरा गए हैं। उत्तर कोरिया के किंग ने मास्क नहीं पहनने वालों के खिलाफ कड़ी सजा का ऐलान किया है। अमेरिकी न्यूज साइट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने कोरोना वायरस पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाया है। इस देश में मास्क नहीं पहनने वालों को 3 महीने तक कड़ी मजदूरी करनी होगी। सरकार के इस आदेश से लोगों में खलबली मच गई है। हालांकि, किम जोंग उन के फैसले के खिलाफ जाने की हिम्मत कोई नहीं जुटा सकता। उत्तर कोरिया प्रशासन द्वारा इस आदेश पर अमल सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के साथ-साथ कॉलेज और हाईस्कूल छात्रों की टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें घूम-घूमकर लोगों पर नजर रखेंगी और जो भी बगैर मास्क के पाया जाता है उस पर कार्रवाई की जाएगी। रेडियो फ्री एशिया ने एक उत्तर कोरियाई अधिकारी के हवाले से बताया कि कड़ी कार्रवाई के आदेश कोरोना के खतरे को देखते हुए जारी किए गए हैं। इसका उल्लंघन करने वालों को 3 महीने तक कड़ी मजदूरी करनी होगी, फिर चाहे वह कोई भी हो। वैसे तो उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस के मामलों के संबंध में

कोई खास जानकारी नहीं है, लेकिन पिछले महीने उत्तर कोरिया से सटे चीनी प्रांतों में संक्रमण की खबरों ने सरकार की बेचैनी बढ़ा दी थी। सरकार ने तुरंत हरकत में आते हुए एक जुलाई से छात्रों को फिर छुट्टी पर भेज दिया था।

चीन सीमा विवाद पर भारत को अमेरिका का मिल रहा "जबरदस्त सहयोग :जस्टर

वाशिंगटन।

भारत में अमेरिका के शीर्ष राजदूत ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने चीन के साथ हालिया सीमा विवाद पर भारत के साथ करीबी संपर्क और ''जबरदस्त सहयोग बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से पिछले छह महीने अभूतपूर्व रहे हैं। गौरतलब है कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच पांच मई से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के कई इलाकों पर गतिरोध चल रहा है। हालात पिछले महीने तब बिगड़ गए जब गलवान घाटी में झड़प में भारत के 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। भारत में अमेरिका के राजदूत केन जस्टर ने अमेरिका भारत व्यवसाय परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक 'भारत विचार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए बुधवार को कहा, ''अभी के लिए हम भारत की उत्तरी सीमा पर स्थिति को देख रहे हैं जिसमें चीन ने न केवल पश्चिमी सेक्टर बल्कि मध्य और पूर्व में भी विवाद पैदा किए। इन स्थितियों में हमने अपने भारतीय समकक्षों से करीबी संपर्क बनाए रखा और स्पष्ट तौर पर कहूं तो जबरदस्त सहयोग भी बनाए रखा। अमेरिकी राजदूत की यह टिप्पणी तब आयी है जब दो दिन पहले अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने क्षेत्र में चीनी सेना की आक्रामक गतिविधियों को ''अस्थिर करने वाला बताया। एस्पर ने यह भी कहा कि अमेरिका वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच हालात पर ''बहुत करीबी नजर रख रहा है। जस्टर ने कहा, बहुत करीबी नजर रख रहा है। जस्टर ने कहा, ''हमने राष्ट्रपति की भारत यात्रा के बाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच कई बातचीतों को देखा है। विदेश मंत्री ने कई बार विदेश मंत्री जयशंकर से बात की है। मुझे लगता है कि यह वास्तव में उनके साथ संबंधों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि उप विदेश मंत्री स्टीफन बीगन ने न केवल विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला के साथ बात की बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कई समकक्षों से बात की।

जस्टर ने कहा कि दोनों देशों के बीच मंत्री स्तर की कई बातचीत हुई जिनमें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहिजर और वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस के साथ बातचीत शामिल है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पिछले छह महीनों के दौरान हम एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और विश्वास करने के एक नए स्तर पर पहुंचे हैं।

अमेरिका ने अब चीन पर लगाया कोरोना वैक्सीन रिसर्च चुराने का आरोप

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस को लेकर चीन लगातार अमेरिका के निशाने पर है। अमेरिका ने अब चीन पर कोरोना वैक्सीन की रिसर्च चुराने का आरोप लगाया है। अमेरिकी न्याय विभाग का आरोप है कि 2 चीनी हैकरों ने रिसर्च चुराने का प्रयास किया व चीनी मंत्रालय के साथ काम करते हुए अमेरिका और हांगकांग में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को भी निशाना बनाया। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा कि चीनी हैकरों ने अमेरिका और दुनिया के कई दूसरे देशों की लगभग 100 से ज्यादा कंपनियों की कोरोना वैक्सीन से जुड़ी गुप्त जानकारियां और बौद्धिक संपदा की चोरी करने की कोशिश। राष्ट्रीय सुरक्षा के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन डिमर्स ने बताया कि चीनी हैकर्स ली शियाओयू और डोंग जियाजी ने संयुक्त राज्य अमेरिका और हांगकांग में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को भी अपना निशाना बनाया है। डिमर्स ने कहा कि हैकर्स चीन के राज्य के सुरक्षा मंत्रालय के साथ काम कर रहे थे । बता दें कि विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध के बीच अमेरिका और चीन के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुरुआत से ही वैश्विक महामारी को लेकर चीन पर सवाल उठाते आए हैं। वहीं, दक्षिण चीन सागर में चीन के वर्चस्व को भी अमेरिका चुनौती दे रहा है।

अमेरिका में ह्यूस्टन चीनी वाणिज्य दूतावास बंद करने के मामले में नया मोड़

वॉशिंगटन। अमेरिका के ह्यूस्टन में चीन के वाणिज्य दूतावास को बंद करने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी चीनी दूतावास को बंद करने का मकसद वीजा धोखाधड़ी के आरोपी चीनी वैज्ञानिक को तलाश करना है। जानकारी के अनुसार वैज्ञानिक तांग जुआन सैन फ्रांसिस्को में चीन के वाणिज्य दूतावास में छिपा हुआ है। जुआन एक शोधकर्ता है जो जीव विज्ञान पर रिसर्च कर रहा है। अनुसार इस वैज्ञानिक पर चीनी सेना के साथ संबंधों व अमेरिका में अवैध प्रवेश का आरोप लगाया गया है। उस पर 26 जून को वीजा धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का कहना कि तांग सैन फ्रांसिस्को में चीनी वाणिज्य दूतावास में छुपा है। बता दें कि बुधवार को अमेरिका सरकार ने चीन को उसका वाणिज्य दूतावास बंद करने के लिए 72 घंटे का समय दिया गया है। अमेरिका का आरोप है कि चीन दूतावास से अमेरिकी बौद्धिक संपदा और अमेरिकियों की निजी जानकारी चोरी की जा रहीं थी। अमेरिका के चीनी जासूसी आरोपों के बीच दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव नाटकीय ढंग से बढ़ है और दोनों देश एक-दूसरे को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दे रहे हैं। चीन के दूतावास ने अमेरिका के ह्यूस्टन वाणिज्य दूतावास को राजनीतिक उकसावे के रूप में बंद करने का कदम बताया और इस निर्णय को तुरंत रद्द करने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने ट्विटर पर लिखा है कि चीन निश्चित तौर पर मजबूती के साथ प्रतिक्रिया देगा ।

कुलभूषण जाधव केस में पाक ने खेला नया खेल, आईसीजे ने कहा- फैसला अंतिम

इस्लामाबाद।

कुलभूषण जाधव मामले में पाकिस्तान सरकार अब नया खेल खेलने की कोशिश कर रही है लेकिन अंतरराष्ट्रीय अदालत ने दो टूक जवाब देकर पाक का मुंह बंद कर दिया है। पाक सरकार ने नया ड्रामा करते हुए अब इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक नई याचिका दायर की है जिसमें कोर्ट से जाधव को कानूनी प्रतिनिधि (वकील) की नियुक्ति करने की मांग की है। पाकिस्तान का अध्यादेश समाप्त होने के कई दिनों बाद इमरान खान सरकार ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में कुलभूषण केस में समीक्षा और पुनर्विचार के लिए दाखिल 6 पेज की इस याचिका में मांग की है कि इस केस के लिए एक वकील नियुक्त किया जाए। संघीय अध्यादेश के तहत इस मामले में अर्जी देने से पहले पाकिस्तान के कानून एवं न्याय मंत्रालय ने भारत सरकार सहित मुख्य पक्षों से विचार नहीं किया। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने अपनी अर्जी में अदालत से अनुरोध किया है कि वह जाधव के लिए एक वकील की नियुक्ति कर दे ताकि पाकिस्तान अंतराष्ट्रीय अदालत के फैसले को लागू करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी कर सके। भारतीय नौसेना के सेवानिवृत 50 वर्षीय अधिकारी कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जासूसी और आतंकवाद के कथित मामले में अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनाई थी। भारत इस मामले को अंतरराष्ट्रीय अदालत ले गया और वहां जाधव को राजनयिक पहुंच नहीं दिए जाने और मौत की सजा को चुनौती दी थी। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालत ने जुलाई 2019 में अपने फैसले में कहा कि पाकिस्तान जाधव को दोषी करार दिए जाने और उसकी सजा पर प्रभावी तरीके से विचार करे और बिना किसी देरी के भारत को राजनयिक पहुंच दे। पाकिस्तान ने इस संदर्भ में 20 मई को एक अध्यादेश पारित किया जिसके तहत, अध्यादेश आने से 60 दिन के भीतर सैन्य अदालत के फैसले को एक आवेदन देकर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। पाकिस्तान सरकार का दावा है कि जाधव ने अपने फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर करने से इनकार कर दिया है। इसी बीच इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने अंतरराष्ट्रीय चैनल के एक सवाल कि भारत या पाकिस्तान किसी ने भी 2019 के फैसले पर कोर्ट को अप्रोच किया है तो इसके जवाब में उन्हें होंने कहा, 'कोर्ट का फैसला बाध्य है, अंतिम है और इसके खिलाफ अपील नहीं हो सकती'। बता दें कि इस केस में पिछले साल भारत सरकार को इंटरनेशनल कोर्ट में उस वक्त बड़ी कूटनीतिक जीत मिली थी जब कोर्ट ने पाकिस्तान से कहा था कि, 'विएना समझौते के काउंसलर रिलेशंस पर आर्टिकल 36 के तहत कुलभूषण जाधव को काउंसलर एक्सेस की सुविधा दी जानी चाहिए।

विश्व में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या डेढ़ करोड़ के पार, अब तक 6,22,366 मरीजों ने तोड़ा

न्यूयॉर्क। दुनियाभर में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या बुधवार को डेढ़ करोड़ के के पार पहुंच गई। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में कोविड-19 से 6,22,366 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 1,45,266 से अधिक हो गई है और अब भी संक्रमण के काफी अधिक मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका में एक समय संक्रमण के मामलों में सबसे आगे चल रहे न्यूयॉर्क को अब देश के सबसे बड़े राज्य कैलिफोर्निया ने पीछे छोड़ दिया है। जॉन हॉपकिंस की तालिका के अनुसार कैलिफोर्निया में 4,10,176 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। वहीं इस संख्या में दूसरे स्थान पर ब्राजील है जहां कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 2,178,159 तक पहुंच गई है। इसके बाद भारत इसमें तीसरे नंबर पर है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिश्वत केस में पीएसआई श्वेता जाडेजा की जमानत याचिका खारिज

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार पीएसआई श्वेता जाडेजा की जमानत याचिका आज कोर्ट ने खारिज कर दी। मामले की जांच कर रही टीम जेल में जाकर श्वेता जाडेजा से पूछताछ कर सकेगी। बता दें कि दुष्कर्म के एक आरोपी को कानूनी कार्यवाही से बचाने के लिए महिला क्राइम ब्रांच की पीएसआई श्वेता जाडेजा ने रु. 35 लाख की रिश्वत मांगी थी। एक ओर आरोपी ने श्वेता जाडेजा को रुपए भी दिए और दूसरी ओर शिकायत भी कर दी। इस मामले में पीएसआई जाडेजा को सस्पैंड

कर दिया गया है। फिलहाल श्वेता जाडेजा जेल में है। इस बीच श्वेता जाडेजा ने नियमित जमानत के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सरकारी वकील ने श्वेता की जमानत याचिका का विरोध किया कहा कि आरोपी ने बतौर पीएसआई भ्रष्टाचार किया है और उसे जमानत देने का समाज पर बुरा असर होगा। सह आरोपी देवेन्द्र ओडेदरा फिलहाल फरार है, ऐसे में श्वेता जाडेजा को जमानत देने से केस को नुकसान हो सकता है।

सरकारी वकील की पेशकश को मान्य रखते हुए कोर्ट ने श्वेता जाडेजा की जमानत याचिका खारिज कर दी। साथ ही जेल में जाकर श्वेता से पूछताछ करने की जांच अधिकारी को मंजूरी प्रदान कर दी। कोर्ट से मंजूरी मिलने से एसओजी अब जेल में जाकर श्वेता जाडेजा से पूछताछ कर सकेगी।

गुजरात में 1078 नए केस, 28 मरीजों की मौत, 718 लोग डिस्चार्ज

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात में पिछले तीन दिन कोरोना के रिकार्ड 1078 नए केस दर्ज हुए और 28 मरीजों की मौत हो गईं ।

जबकि राज्य में 718 लोगों को अस्पताल से किया गया। इसी के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 52563 पर पहुंच गई है। राज्य में कोरोना से अब तक 2257 मरीजों की मौत हो चुकी है और 37958 लोगों को अब तक डिस्चार्ज किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक देश के अन्य राज्यों के मुकाबले गुजरात में कोरोना के नए मरीजों के मामले में 12वें क्रम पर है,

जबकि सक्रिय मरीजों के मामले में 8वें क्रम पर हैद्य गुजरात फिलहाल सक्रिय मरीजों की संख्या 12348 है,

जिसमें 89 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 12259 मरीजों की हालत स्थिर है। गुजरात में अब तक 592123 टेस्ट किए गए हैं, जिसमें कुल 52563 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद शहर में 187, सूरत शहर में 181, सूरत जिले में 75, वडोदरा शहर में 71, राजकोट शहर में 44, नर्मदा में 40, दाहोद में 31, सुरेन्द्रनगर में 31, भरुच में 27, जामनगर शहर में 25, कच्छ में 24, अहमदाबाद जिले में 23, भावनगर शहर में 23, जूनागढ़ शहर में 23, मेहसाणा में 23, पाटन में 23, गांधीनगर जिले में 22, जूनागढ़ जिले में 20, नवसारी में 18, भावनगर जिले में 16, राजकोट जिले में 15, बनासकांठा में 14, खेडा में 13, पं. चमहल में 12, गिर सोमनाथ में 11, वडोदरा में 11, आणंद में 9, गांधीनगर शहर में 9, जामनगर जिले में 9, वलसाड में 9, बोटाद में 7, महीसागर में 7, छोटाउदेपुर में 5, तापी में 5, मोरबी में 4, साबरकांठा में 4, अमरेली में 3, अरवल्ली में 3 और पोरबंदर में एक समेत कुल 1078 कोरोना के मामले सामने आए हैं। जबकि सूरत शहर और जिले में 14, अहमदाबाद शहर व जिले में 5, कच्छ में 2, पाटन में 2, वडोदरा शहर में 2, भावनगर शहर में 2, बोटाद और मोरबी में 1–1 समेत कुल 28 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

पिछले 24 घंटों में राज्य में कुल 718 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में 431823 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 430014 होम कोरन्टाइन हैंद्य जबकि 1809 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन में हैं।

कोर्ट शुरू करने की मांग को लेकर धरने पर बैठे 7 वकील हिरासत में

क्रांति समय सुरत

वडोदरा,दुनियाभर में कहर बरपा रहे कोरोना का असर हर वर्ग पर हुआ हैद्य अनलॉक 1 और 2 में कई विभिन्न संस्थाओं को छूट दी गई है, लेकिन कोर्ट कार्यवाही अब भी ठप है। कोर्ट शुरू करने की मांग को लेकर आज धरने पर 7 वकीलों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दरअसल कोरोना और लॉकडाउन के चलते पिछले चार महीने से कोर्ट कार्यवाही ठप है।

जिसकी वजह से जूनियर वकीलों और कोर्ट स्टाफ की आर्थिक हालत दयनीय हो गई है। वडोदरा कोर्ट में 4000 में से 3000 जितने वकील प्रेक्टिश करते हैं ।

लेकिन मौजूदा वक्त में केवल महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई हो रही हैद्य पिछले चार महीने से कोर्ट कार्यवाही बंद होने से फिजिकल हियरिंग नहीं हो रहीद्य जिसकी वजह से वकील समेत उनके ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ गई हैंद्य इस संदर्भ में वडोदरा बार एसोसिएशन द्वारा कई बार सरकार से पेशकश की जा चुकी हैद्य लेकिन मामले का समाधान नहीं होने से आखिरकार वकीलों ने आंदोलन का रास्ता अपनायाद्य कोर्ट शुरू करने की मांग को लेकर वडोदरा कोर्ट परिसर के बाहर वकील आज धरने पर बैठ गएद्य घटनास्थल पर पहुंची गोत्री पुलिस ने समझाया लेकिन वकील वहां से हटने को तैयार नहीं हुएद्य आखिरकार पुलिस ने 7 वकीलों को हिरासत में ले लिया ।

जूनागढ़ में नगर पार्षद की कोरोना से मौत, अहमदाबाद में एक पार्षद संक्रमित

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, जूनागढ़ महानगर पालिका में एक नगर पार्षद की कोरोना से मौत हो गईद्य वहीं अहमदाबाद में एक नगर पार्षद की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैद्य जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ महानगर पालिका में भाजपा के नगर पार्षद राजु नंदवाणी की कोरोना से मौत हो गई हैद्य कुछ दिन पहले राजु नंदवाणी की तबियत बिगड़ने पर राजकोट के निजी अस्पताल में दाखिल किया गया थाद्य जहां उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थीद्य सिंधी समाज से आनेवाले नंदवाणी जूनागढ़ के जानेमाने व्यापारी थेद्य राजु नंदवाणी के निधन से सिंधी समाज समेत भाजपा में शोक व्याप्त हैद्य दूसरी ओर अहमदाबाद महानगर पालिका इंदुपुरी वार्ड के पार्षद और रबारी कॉलोनी क्षेत्र के विष्णुनगर निवासी 50 वर्षीय शैलेष पटेल की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें शहर के एसवीपी अस्पताल में भर्ती किया गया हैद्य शैलेष पटेल अपने क्षेत्र में महानगर पालिका अधिकारियों के साथ लगातार कोरन्टाइन जोन में सेवारत थेद्य इंदुपुरी वार्ड की सीटीएम स्थित मनपा की क्षेत्रीय ऑफीस के अन्य तीन वरिष्ठ अधिकारियों के भी कोरोना संक्रमित होने पर उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल किया गया है।

जीसीएमएमएफसी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात को–ऑपरिटेविट मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने फेडरेशन के अध्यक्ष के तौर पर साबर डेयरी के अध्यक्ष शामलभाई पटेल और उपाध्यक्ष के रूप में कच्छ जिला दूध उत्पादन संघ के अध्यक्ष वालमजी हुंबल के सर्वसम्मति से चयन पर उन्हें बधाई दी है। विजय रूपाणी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन दो नेताओं के मार्गदर्शन में गुजरात को–ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन और उससे जुड़े दूग्ध संघ एवं डेरियां श्वेत क्रांति में गुजरात को अगुआ बनाएंगे।

गुजरात की निजी स्कूलों ने अनिश्चित काल के लिए बंद की ऑनलाइन कक्षाएं

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात में कई निजी स्कूलों ने गुरुवार से ऑनलाइन कक्षाएं अनिश्चित काल के लिए रोक दी हैं। ऐसा राज्य सरकार के उस आदेश के बाद किया गया है, जिसमें कहा गया था कि जब तक स्कूल फिर से खुल न जाएं, उन्हें छात्रों से फीस नहीं लेनी चाहिए। पिछले सप्ताह जारी अधिसूचना में गुजरात सरकार ने कोविड–19 महामारी के मद्देनजर स्कूल बंद रहने तक स्व–वित्तपोषित स्कूलों को छात्रों से ट्यूशन शुल्क नहीं लेने का निर्देश दिया था। इसके अलावा शैक्षणिक सत्र 2020–21 में स्कूलों को शुल्क में बढोतरी करने से भी मना किया गया है। इस कदम से नाखुश गुजरात के लगभग 15,000 स्व–वित्तपोषित स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनियन ने ऑनलाइन कक्षाएं रोकने का फैसला किया है।

स्व–वित्तपोषित स्कूल प्रबंधन संघ के प्रवक्ता दीपक राज्यगुरु ने कहा कि राज्य के लगभग सभी स्व–वित्तपोषित स्कूल ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार का मानना है कि ऑनलाइन शिक्षा वास्तविक शिक्षा नहीं है, तो हमारे छात्रों को ऐसी शिक्षा देने का कोई मतलब नहीं है।

अंबाजी बना गुजरात का पहला आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाण पत्र पाने वाला तीर्थ स्थल

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, गांधीनगर में मंदिर ट्रस्ट को सौंपा प्रमाण पत्र

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, देश और दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु माई भक्तों की आस्था का केंद्र उत्तर गुजरात का आद्यशक्ति पीठ अंबाजी धाम गुजरात का पहला ऐसा पवित्र तीर्थ स्थल बना है, जिसे आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाण पत्र मिला है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुरुवार को यह आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाण पत्र यात्राधाम विकास मंत्री दिलीपकुमार ठाकोर और राज्य मंत्री विभावरीबेन दवे की उपस्थिति में पर्यटन व यात्राधाम सचिव ममता वर्मा और आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष व बनासकांठा के कलेक्टर संदीप सांगले को गांधीनगर में सौंप कर इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। समग्र मंदिर परिसर के सुनियोजित संचालन, गब्बर पर उपलब्ध सुविधाओं तथा प्रसाद एवं अन्य खाद्य सामग्री तथा यात्री निवास सहूलियतों के सरल संचालन के साथ ही अंबाजी क्षेत्र में ट्रस्ट की ओर से किए जाने वाले विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन और सेवा गतिविधियों जैसे अहम मुद्दों की वजह से आद्यशक्ति पीठ अंबाजी मंदिर का इस प्रमाण पत्र

के लिए चयन किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) ब्रिटेन का एक संगठन है जो आईएसओ प्रमाणीकरण के लिए संबंधित संस्थान या संगठनों का उनकी गुणवत्तायुक्त सेवाओं, पर्यावरण संरक्षण के उपायों और सुरक्षा जैसे व्यापक मामलों के मूल्यांकन के आधार पर चयन करता है। गुजरात के आद्यशक्ति पीठ अंबाजी मंदिर ट्रस्ट ने इस आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाण पत्र के लिए यात्राधाम विकास मंत्री दिलीपकुमार ठाकोर और राज्य मंत्री विभावरीबेन दवे के मार्गदर्शन में आवेदन दिया था जिसके फलस्वरूप आईएसओ के मानदंडों पर अंबाजी मंदिर ट्रस्ट के खरा उतरने पर यह प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाण पत्र तीन वर्ष के लिए मान्य है। यही नहीं, हर साल सर्विलांस ऑडिट के जरिए विभिन्न सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार की जांच भी होती है। आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट को यह आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाण पत्र इस तीर्थ स्थल में आने वाले यात्रियों को पूजा, हवन, पार्किंग, दान, तत्काल चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, प्रसाद व्यवस्था, निवास सुविधा जैसे मामलों की जानकारी के लिए डेडिकेटेड हेल्थ सेंटर की सुविधा, साइंटिफिक एप्रोच के साथ सीसीटीवी सर्विलांस तथा महत्वपूर्ण स्थलों पर रणनीतिक सुरक्षा निगरानी एवं सुरक्षित और स्वच्छ भोजन और प्रसाद जैसी विभिन्न सुविधाओं में उत्कृष्टता के लिए दिया किया गया है।

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने गाय के गोबर से बनाई गणेशजी की प्रतिमा

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, आगामी गणेशोत्सव को ईको फ्रेन्डली बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने गाय के गोबर से गाय की प्रतिमा बनाई हैद्य आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभ कथीरिया ने कहा कि इस प्रतिमा के उपयोग से ग्रीन इंडिया, क्लीन इंडिया, मेक इन इंडिया और क्रीम इंडिया के प्रयासों का बल मिलेगाद्य बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष ईको फ्रेन्डली गणेश प्रतिमा का उपयोग करने का मन की बात कार्यक्रम में आह्वान किया थाद्य पीएम मोदी के आह्वान में रखते हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने देशभर में ईको फ्रेन्डली गणेश प्रतिमा का उपयोग हो, इसके लिए गाय के गोबर से बनाई गई गणेश प्रतिमा का उपयोग करने का अभियान शुरू किया हैद्य डॉ. वल्लभ कथीरिया ने कहा कि देशभर में गाय के गोबर से बनी ईको फ्रेन्डली गणेशजी की प्रतिमा के लिए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया हैद्य उन्होंने गाय के गोबर से बनी गणेशजी की प्रतिमा स्थापना के साथ गणेशोत्सव मनाने की देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि इससे गौशालाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और लोगों को रोजगार मिलेगाद्य साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा भी होगीद्य डॉ. कथीरिया ने इस प्रतिमा के उपयोग से ग्रीन इंडिया, क्लीन इंडिया, मेक इन इंडिया और क्रीम इंडिया के प्रयासों को बल मिलेगाद्य पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने आगामी गणेशोत्सव में गाय से बनी गणेशजी की प्रतिमा उपयोग कर पर्यावरण की रक्षा करने की उन्होंने देशवासियों से अपील कीद्य डॉ. कथीरिया ने कहा कि पीएम मोदी ने भी अपने मन की बात कार्यक्रम में ईको फ्रेन्डली प्रतिमा का उपयोग करने की अपील की थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)